यज्ञोपैथी- यज्ञ का वैज्ञानिक पक्ष

प्रस्तुति द्वारा

डा. ममता सक्सेना

महा निदेशक , सांख्यकी एवं कार्यक्रम कार्यावयन मंत्रालय

यज्ञ के भौतिक लाभ

- रोग निवारण - इंसान एवं पशुओं का
- वायु शुद्धि: - बीमारी के कीटाणु नाश, गैसीय प्रदूषण दूर
- वातावरण शुद्धि – रेडियशन, शोर, विचार, पीड़ा तरंगे इत्यादि
- जल शुद्धि, संतुलन, संवर्धन
- मृदा शुद्धि, पौष्टिकता संवर्धन, कार्बन मात्रा संवर्धन, कीटाणु क्रियात्मकता संवर्धन इत्यादि
- वनस्पति व औषधियों की गुणवता एवं उपादेयता संवर्धन – कृषि व बागवानी फसलों पर सकारात्मक प्रभाव

यज्ञ के भौतिक लाभ

- वृक्षों का संरक्षण एवं संवर्धन
- जलवायु/ ऋतुचक्र का नियमिकरण
- वृष्टि नियंत्रण
- प्रकृति अनुकूलन
- साम्राज्य की प्राप्ति
- प्रजा व पशु संवर्धन- भौतिक सुख प्राप्ति
- शत्रुदमन व युद्ध में विजय
- व्यक्तित्व विकास- सद्गुण
- दिव्य शस्त्रों की प्राप्ति

यज्ञ के आध्यात्मिक लाभ

प्राचीन भारतीय संस्कृति में वैदिक दिनचर्या का शुभारम्भ हवन, यज्ञ , अग्निहोत्र आदि से होता था. सभी लोग प्रात: सायं यज्ञ करके संसार के विविध रोगों का निवारण किया करते थे. दूसरों को लाभान्वित करने के विचार से उत्तम पदार्थ, घृत, मिष्ठान, रोगनिवारक व बलवर्धक वनौशाधियां इत्यादि हवन में डाल कर संसार में सुख शान्ति फैलाते थे, वहीं वैज्ञानिक नियमों के आधार पर स्वयं भी शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करते थे.यज्ञों द्वारा

1. आत्मा का निर्मलीकरण
2. व्यक्तित्व परिष्कार
3. आत्मबल संवर्धन
4. आध्यात्मिक विकास एवं आत्मोत्कर्ष
5. मोक्ष/ स्वर्ग प्राप्ति
6. घर, समाज एवं राष्ट्र मे शांति व समृद्धि
7. प्राण पर्जन्य की अभिवृद्धि

यज्ञ पर कुछ वैज्ञानिक प्रयोग

CERTIFICATE FROM CPCB

This is to confirm that whatever data used by you in your Ph.D. work was generated jointly by CPCB and you. For Air quality analysis sampling and analysis protocol of CPCB have been followed.

I wish all success in your further research in this area

With warm regards

Dr B Sengupta

Ex Member Secretary, CPCB

Effect of Yagya in Reducing the Atmospheric Pollution

Yagya

EFFECT OF YAGNA ON **BACTERIAL** COUNTS IN INDOOR ENVIRONMENT ON 7TH DAY — 92%

EFFECT OF YAGNA ON **FUNGUS** COUNTS IN INDOOR ENVIRONMENT ON 7TH DAY — 88%

EFFECT OF YAGNA ON **PATHOGENS** COUNTS IN INDOOR ENVIRONMENT ON 7TH DAY — 79%

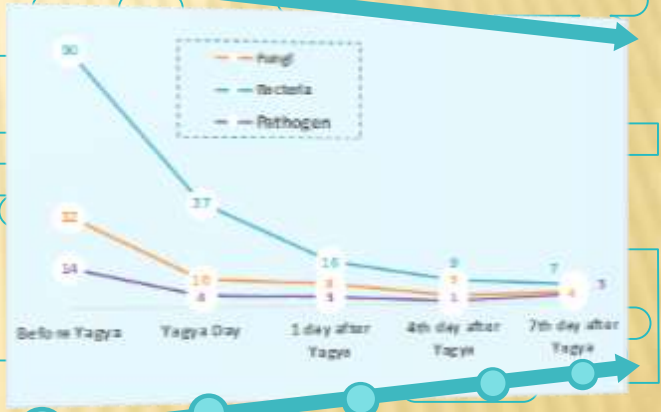

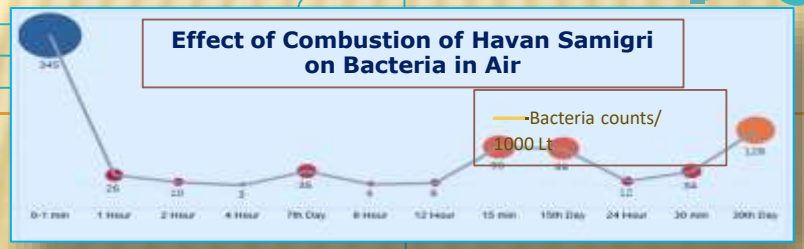

Environmental preservation, conservation balance and treatment

Physical, mental, spiritual and social treatment

यज्ञ एवं साधारण धुँआ - इंडोर केस स्टडी

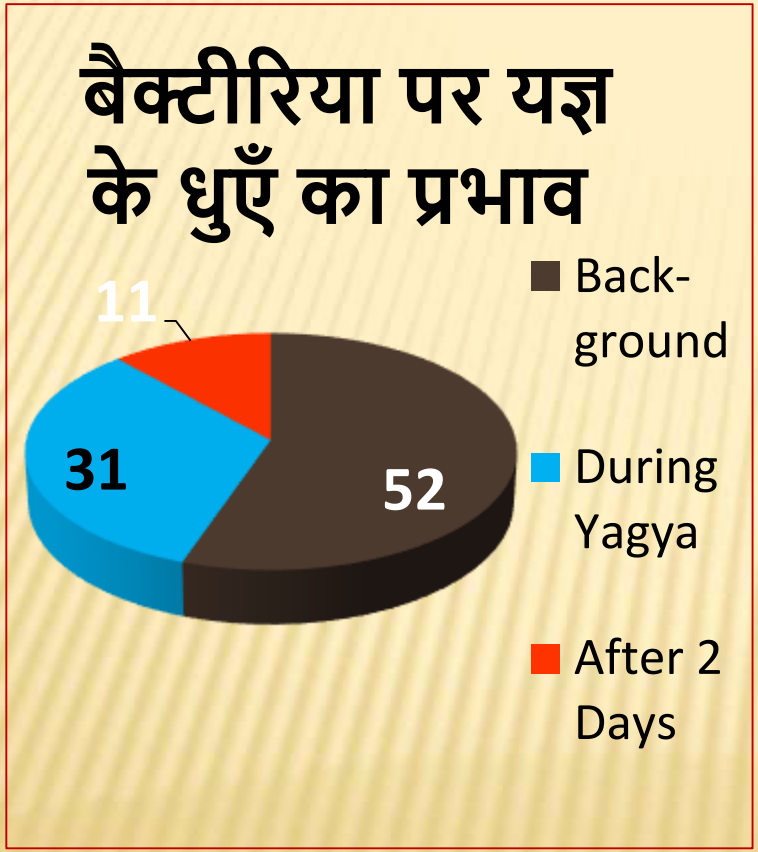

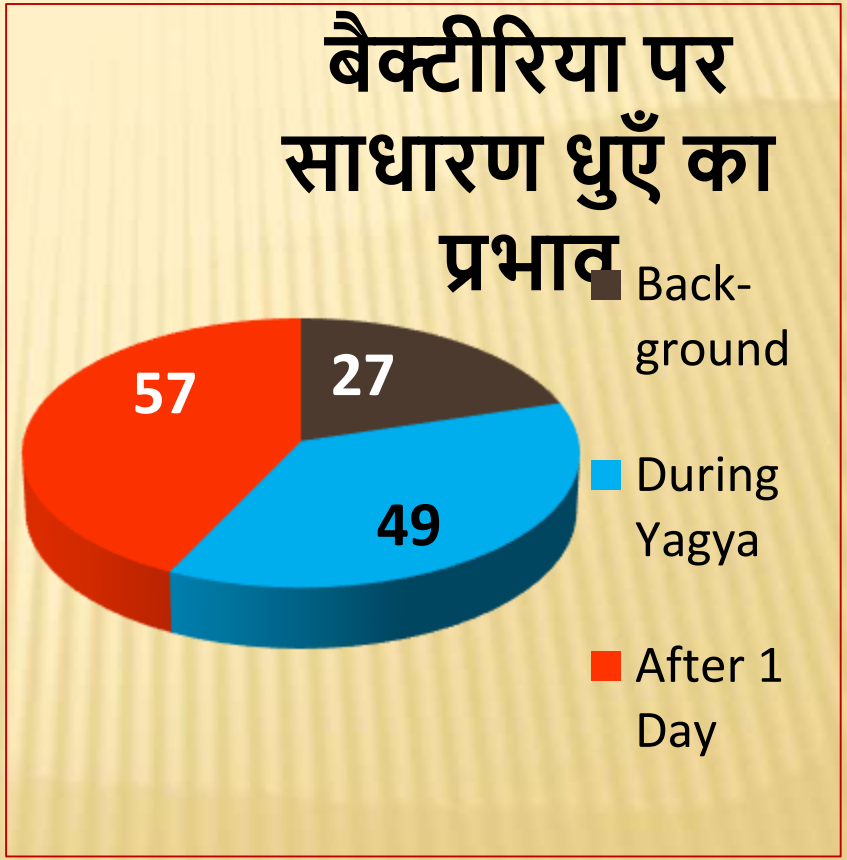

यज्ञ एवं साधारण धुँआ - इंडोर केस स्टडी

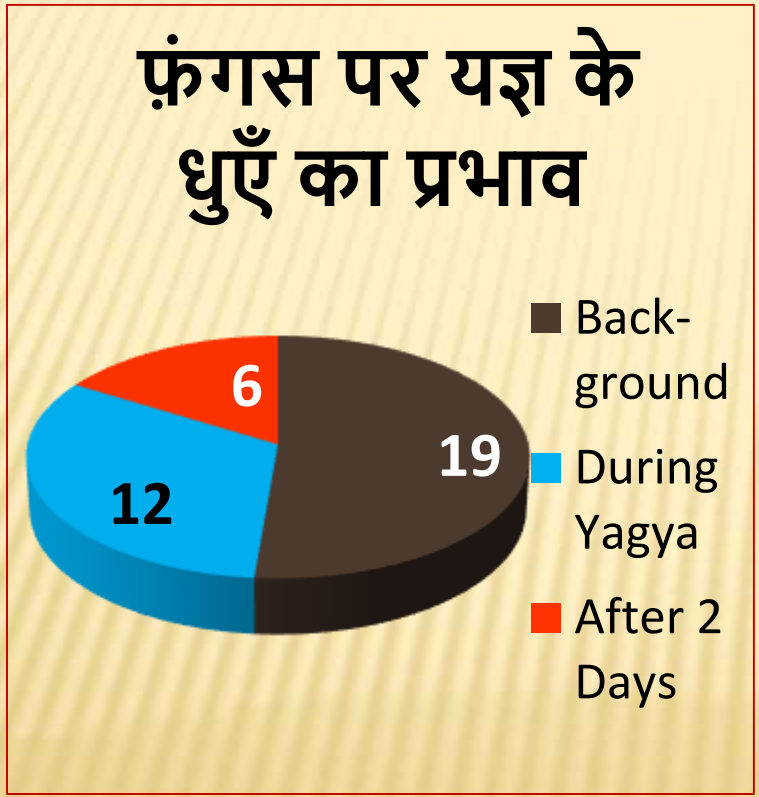

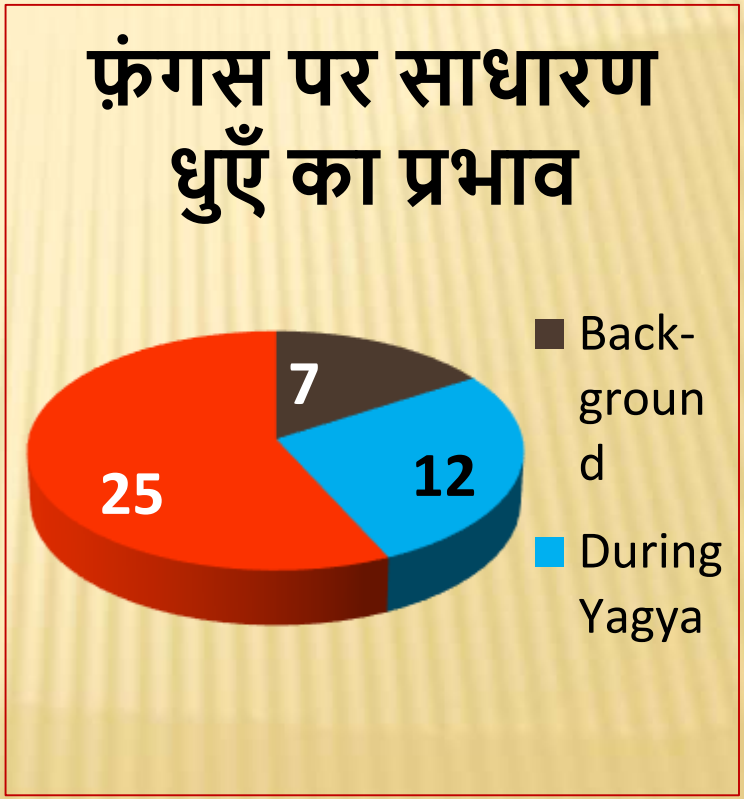

यज्ञ एवं साधारण धुँआ -इंडोर केस स्टडी

पैथोजेन्स पर यज्ञ के धुएँ का प्रभाव

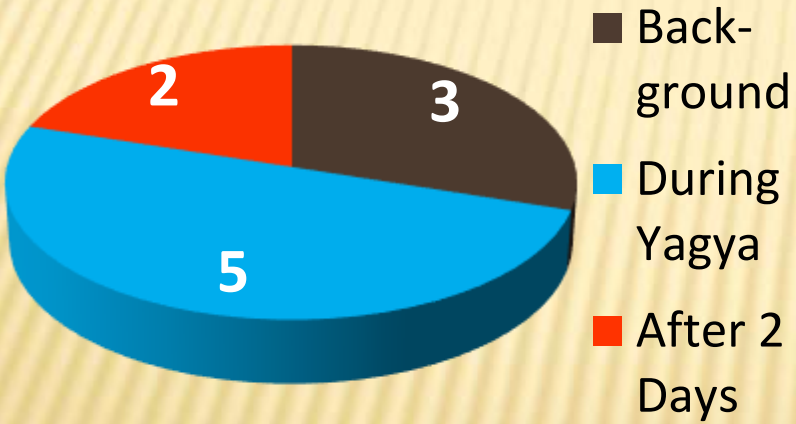

पैथोजेन्स पर साधारण धुएँ का प्रभाव

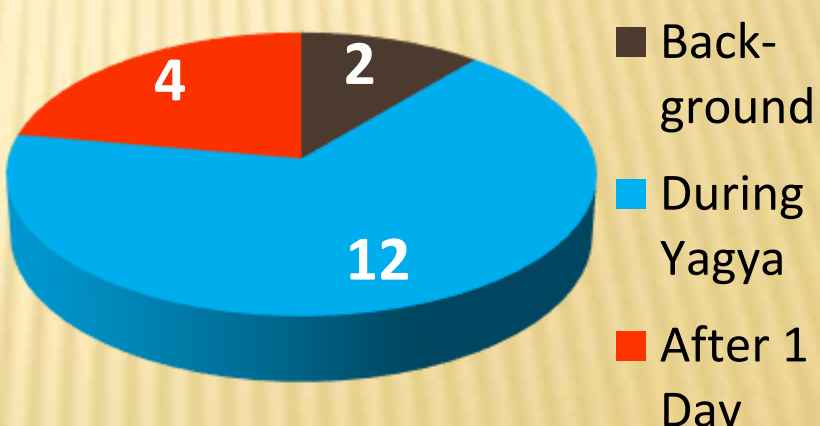

गैसीय प्रदूषण पर यज्ञ का प्रभाव

2004 में एम एस अपार्टमेंट्स, के.जी. मार्ग में खुली हवा में यज्ञ का प्रयोग किया गया था।

गेट के पास हवा की दिशा में एक उच्च मात्रा वायु सैम्पलर रखा गया था।

नमूने प्रति 8 घंटे पर एकत्र किए गए थे

2004 में गैसीय प्रयोग के परिणाम

	NO_2	% Change w.r.t Back Gr.	SO_2	% Change w.r.t Back Gr.
31.1.04	56		11.0	
1.02.04	29.5	-47.3	1.5	-86.4
2.02.04	22.5	-59.8	BDL	-96%

गैसीय प्रदूषण पर यज्ञ का प्रभाव २००४

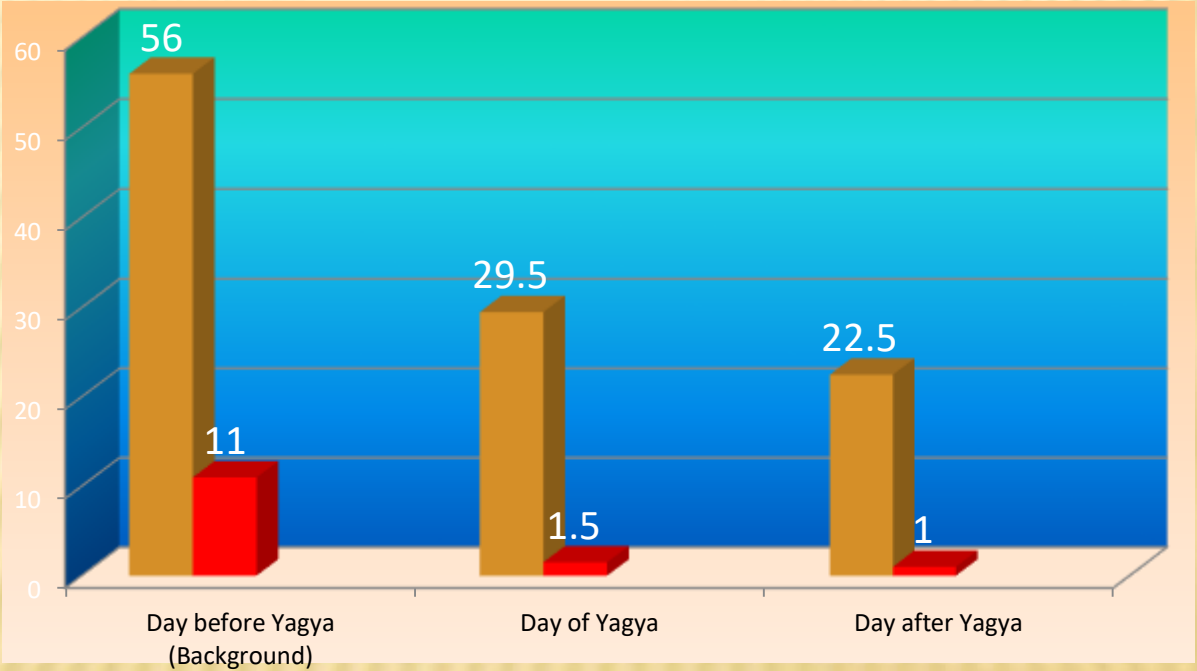

हवन सामग्री के धुएं के प्रभाव पर सी. एस. नौटियाल द्वारा अध्ययन

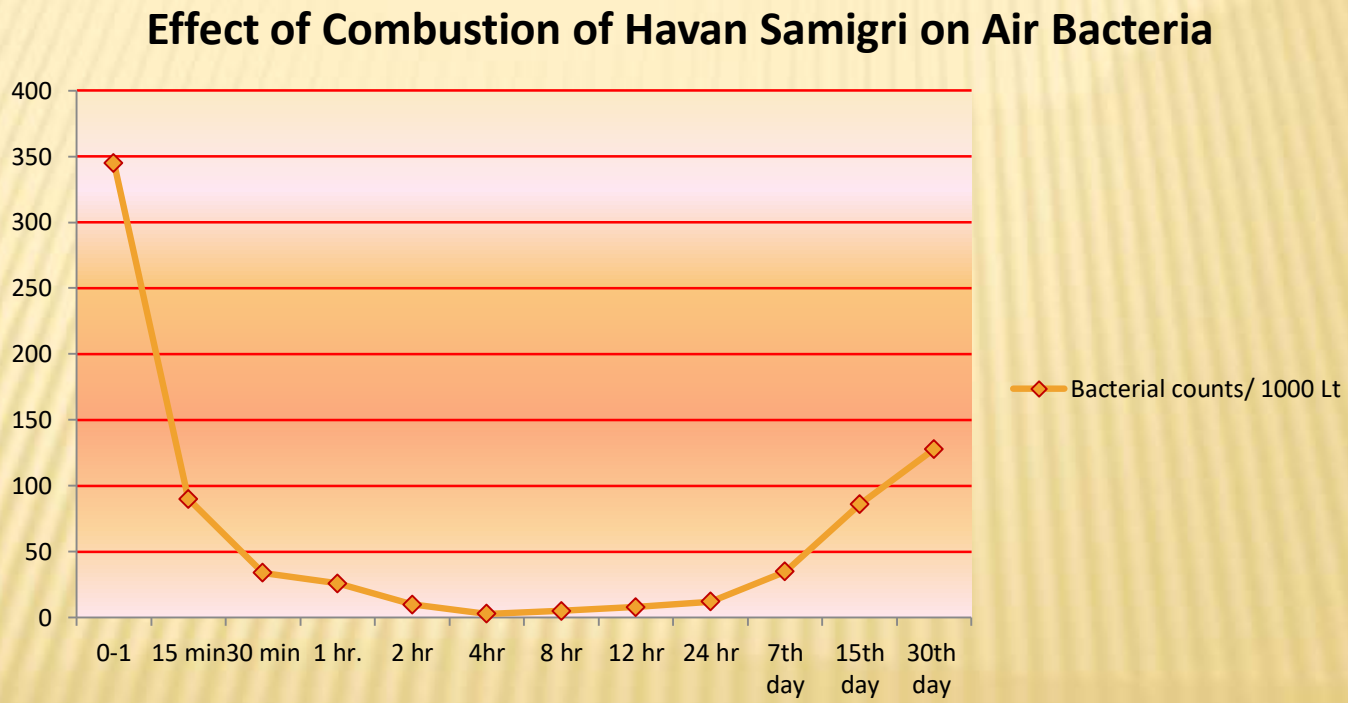

यज्ञोपैथी
शोध के कुछ नए तथ्य
२०२०

स्वास्थ्य संवर्धन प्रयोग –

रोग - डायबटीज

स्थान - नोयडा चेतना केंद्र

- गायत्री चेतना केंद्र नोएडा में 11 डायबेटिक रोगियों पर 25/04/2019 से 20/05/2019 तक पहला सत्र कार्यवान्वित किया गया
- इसका सञ्चालन श्री आर. एन. सिंह जी एवं श्री यू .एस. गुप्ता जी द्वारा किया गया
- इसमें मिटटी के गोला कार कुंड में गोमय समिधाओं द्वारा डायबेटीज़ रोग की विषेश हवन सामग्री से यज्ञ किया गया जिसमे सारे रोगियो^ ने भाग लिया.

यज्ञोपैथी उपचार

रोग - डायबटीज

स्थान - नोयडा चेतना केंद्र

१. भेषज यज्ञ के निर्धारित प्रारूप के अनुसार यज्ञोपैथी उपचार एक घंटे नित्यप्रति किया गया जो की निम्न था:

- औषधीय हवन सामग्री से यज्ञ 20 मिनट
- 10 मिनट मानसिक जप
- 20 मिनट प्राणायाम
- 10 मिनट आसान
- रोगियों को निष्कासन तप के विषय मे भी बताया गया और उनसे गुप्त समस्याओं को लिखवा कर के लिया गया.

२. इसके अतिरिक्त आहार विहार के भी संयम बाँधे गए जिन पर बल दिया गया

सत्र द्वारा प्राप्त नतीजे

- कुल रोगियों की संख्या 11 थी जिसमें से 10 रोगियों के ब्लड शुगर में लगभग 5% से 56% तक की कमी, 1 माह मे आयी है
- सभी रोगियों ने बताया की उनके स्वास्थ्य में समग्र रूप से आश्चर्य जनक सुधार हुआ है
- सभी रोगियों ने बताया की अब वे पहले से अधिक ऊर्जावान महसूस कर रहे है
- नींद अच्छी व गहरी आती है
- दिन भर सकारात्मक चिंतन बना रहता है

YAGYAOPATHY EXPERIMENTS

	CHETNA KENDER NOIDA EVALUATION DONE ON 11TH MAY 2019						
S.NO	NAME OF PATIENTS	GENDER / WEIGHT	FASTING BLOOD SUGAR		FBST PRANDALBLOOD SUGAR		IMPROVEMENT IN OTHER SYMPTOMS
			B.T	A.T	B.T	A.T	
1	Mr.Anil Mishra	M/68 yrs	200	88	400-450	261	Improvements in all sections
2	Smt.Geeta Mishra	F/56 yrs	300	183	400	272	improvement in knee pain and body weight
3	Mrs.shakuntala Gupta	F/53yrs	RBS-160	112.3	RBS-160	102.3	Improvement in energy level
4	Smt.Renu Bala singh	F/38yrs	RBS-324	213.7	RBS-324	275.4	Improvement in body weight from 65.3to 64.1
5	Smt.Neelam	F/70 Yrs	RBS-154	106	RBS-154	125	positive thinking has increased
	Shri kedarnath						160/85-

सत्र के नतीजे

- श्रीमती गीता मिश्रा, उम्र 56 वर्ष, के घुटनो के दर्द में आराम मिला
- श्री ओ.पी. यादव, उम्र 44 वर्ष, का पुराना कब्ज ठीक हो गया
- श्री अनिल मिश्रा जी, उम्र 68 वर्ष, के फस्टिंग ब्लड शुगर 200 से घाट कर 88 हो गया तथा पी.पी. ब्लड शुगर 400-450 से अब 261 हो गया
- श्रीमती शकुन्तला गुप्ता, उम्र 53 वर्ष, का पुराना फस्टिंग ब्लड शुगर 160 से कम हो कर 112.3 तथा प्रनदाल ब्लड शुगर 160 से अब हो कर 102.3 हो गया
- श्रीमती रेणु बाला सिंह, उम्र 38 वर्ष, ब्लड शुगर 324 से कम हो कर 213.7 तथा प्रनदाल ब्लड शुगर 324 से अब हो कर 275 हो गया
- श्रीमती नीलम, उम्र 70 वर्ष, ब्लड शुगर 154 से कम हो कर 106 तथा प्रनदाल ब्लड शुगर 154 से अब हो कर 125 हो गया
- श्री केदारनाथ जी का ब्लड शुगर 135 से कम हो कर 117 तथा प्रनदाल ब्लड शुगर 135 से अब हो कर 127 हो गया

✓ जयपुर गायत्री चेतना केंद्र दुर्गापुरा

- तीसरा यज्ञोपैथी शिविर जोड़ो के दर्द रोग पर 20/05/2019 से 30/05/2019 तक केंद्र में चलाया गया
- जिसमे 5 रोगियों ने भाग लिया
- श्रीमती चन्द्र कला शर्मा
- श्रीमती गीता गोयल
- श्रीमती यशोधरा भाटिया
- श्रीमती राधा बल्लभ खुटेटा
- श्री पन्ना लाल सोनी

RESULTS

Name of patient	Age	Disease / Problems Particulars	Pre - Treatment	Post Treatment	Improvement in Percentage (%)
Mrs Chandrakala Sharma	71 Years	a. Gyaene Problem	10	3	a. 70%
		b. BP			b. 50%
		c. Acidity	10	5	c. 50%
		d. Knee Pain	10	5	d. 50%
		e. Sleeping Trouble	10	5	e. 50%
		f. Over Weight (83 Kg)	83 kg	80 kg	f. 80Kg (-3 Kgs)
		g. Toe Swelling	10	0	g. 100% Relief

Name of patient	Age	Disease / Problems Particulars	Pre - Treatment	Post Treatment	Improvement in Percentage (%)
Geeta Goyal	59 Years	a) Severe Backpain	10	2	a) During the Camp, patient got relief of 80% in back pain.
		(Long treatment taken at EHCC hospital, Narayana hospital and Fortis hospital but No Relief)			b) Relief by 20% in Knee pain
		b) Knee Pain	10	8	
Yashoda Bhatia	64 yrs	a) Back pain: (Treatment taken from Metro Mass Hospital for about 18 months but no relief)	10	4	a) 60 % relief in Backpain
		b) Burning Sensation on Lower Feet	5	4.5	b) 10% relief in Burning Sensation on Lower feet

FURTHER RESULTS

Name of patient	Age	Disease / Problems Particulars	Pre - Treatment	Post Treatment	Improvement in Percentage (%)
Radha Ballabh Khuteta	75 Yrs	a) Swelling on Feet for about 10 years after bypass surgery.	10	2	a) 80% relief in Swelling
		b) Joint Pain	10	2	b) 80% relief in Joint Pain
		c) Cramps	10	2	c) 80% relief in cramps
Panna lal Soni	64	a) Problem in deep breathing (Heart problem Underwent 3 heart attacks)	10	5	a) Now very much comfortable in deep breathing.
		b) Heart Effeciency 25%			b) Feeling 80% relief & Energetic

यज्ञ का मानवीय जैविक ऊर्जा पर प्रभाव

- 31.01.21 को सात लोगो पर एक प्रयोग किया गया जिसमे यज्ञ का प्रभाव, आंतरिक ऊर्जा, चक्रो का alignment, आंतरिक अंगों की ऊर्जा एवं संतुलन, मानसिक दबाव व चिंता, बाए तथा दाए अंगो मे संतुलन आदि parameters पर अध्ययन किया.
- एक प्रतिभागी श्री मनीष कुमार निवासी दिल्ली की रिपोर्ट नीचे हैं

प्रयोग मे लिए उपकरण की फोटो

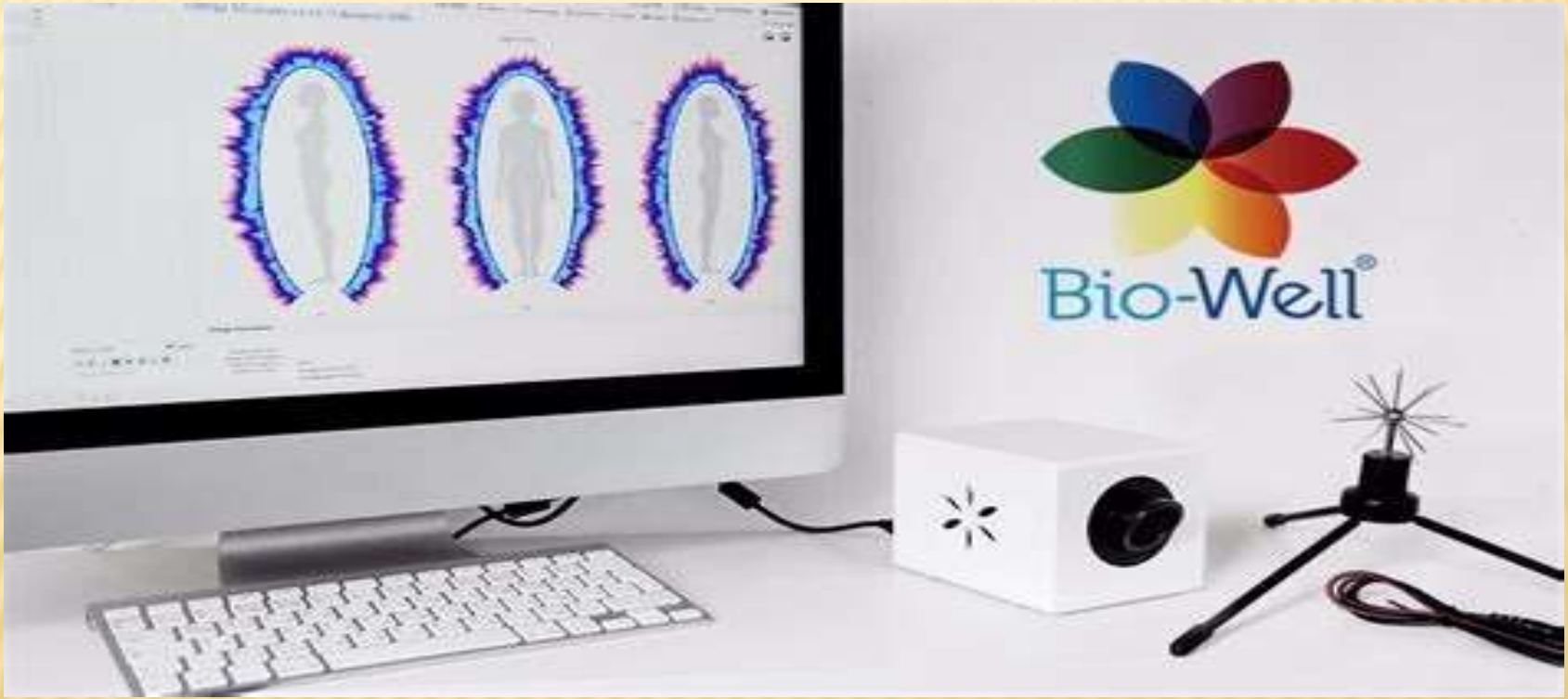

यज्ञ के पूर्व

यज्ञ के बाद

चक्रो का सन्तुलन

आन्तरिक अंगो का संरेखण (ALIGNMENT) -यज्ञ से पहले

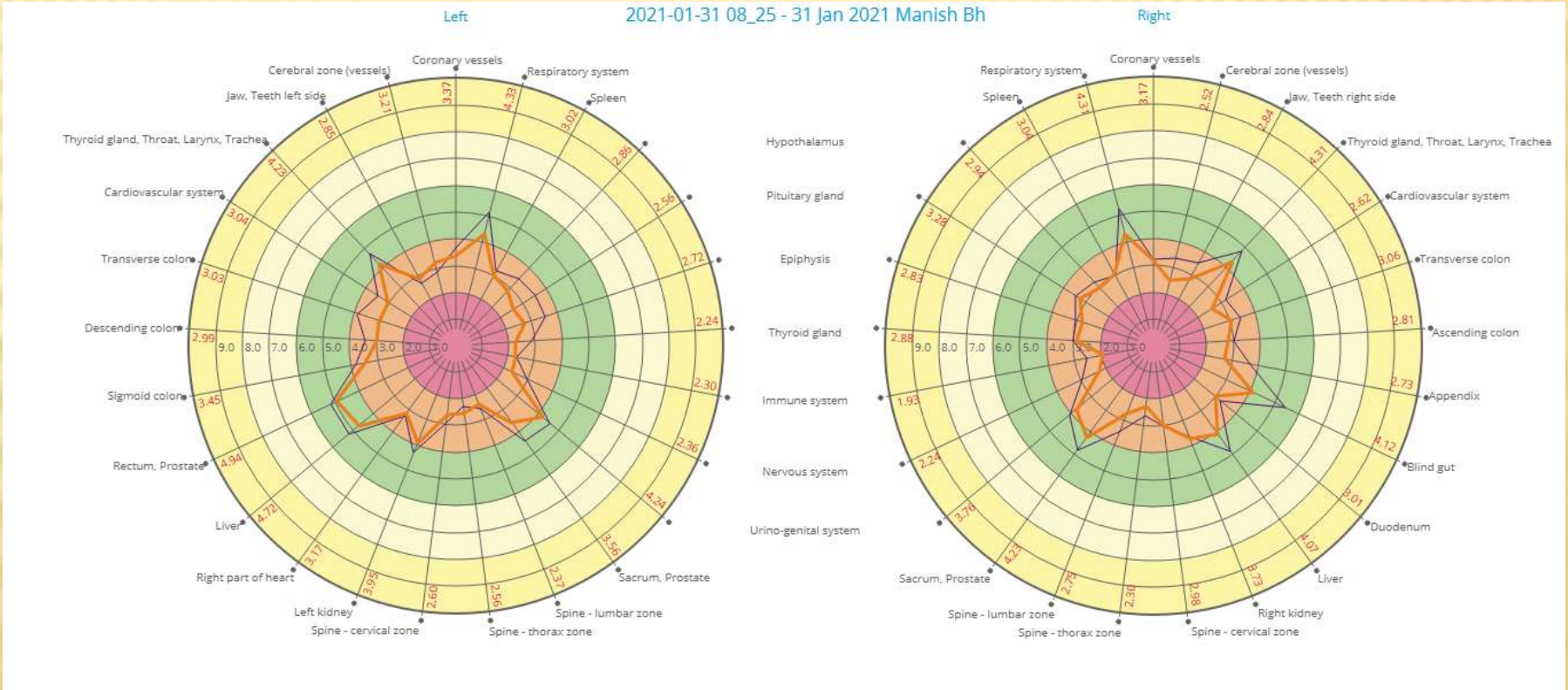

आन्तरिक अंगो का संरेखण (ALIGNMENT) –यज्ञ के बाद

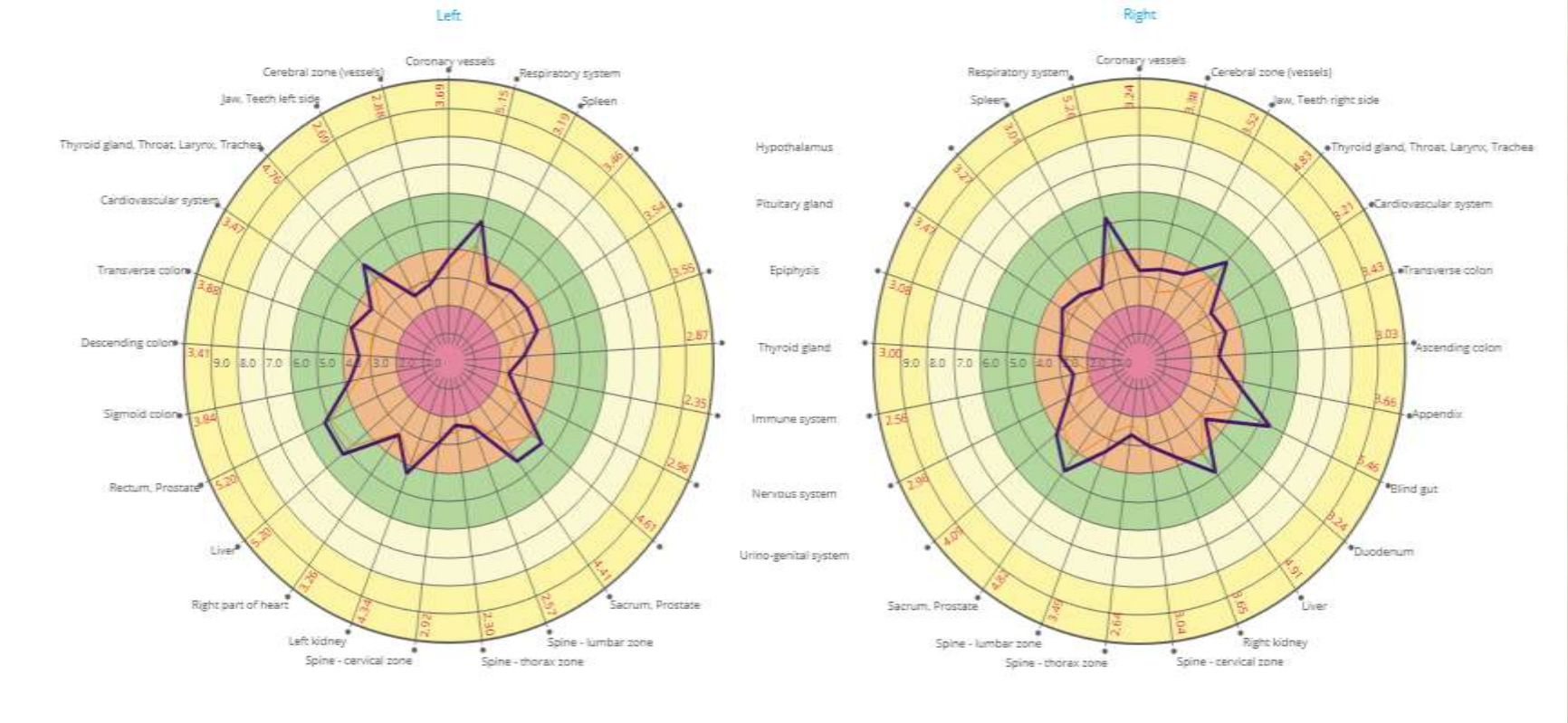

आंतरिक ऊर्जा

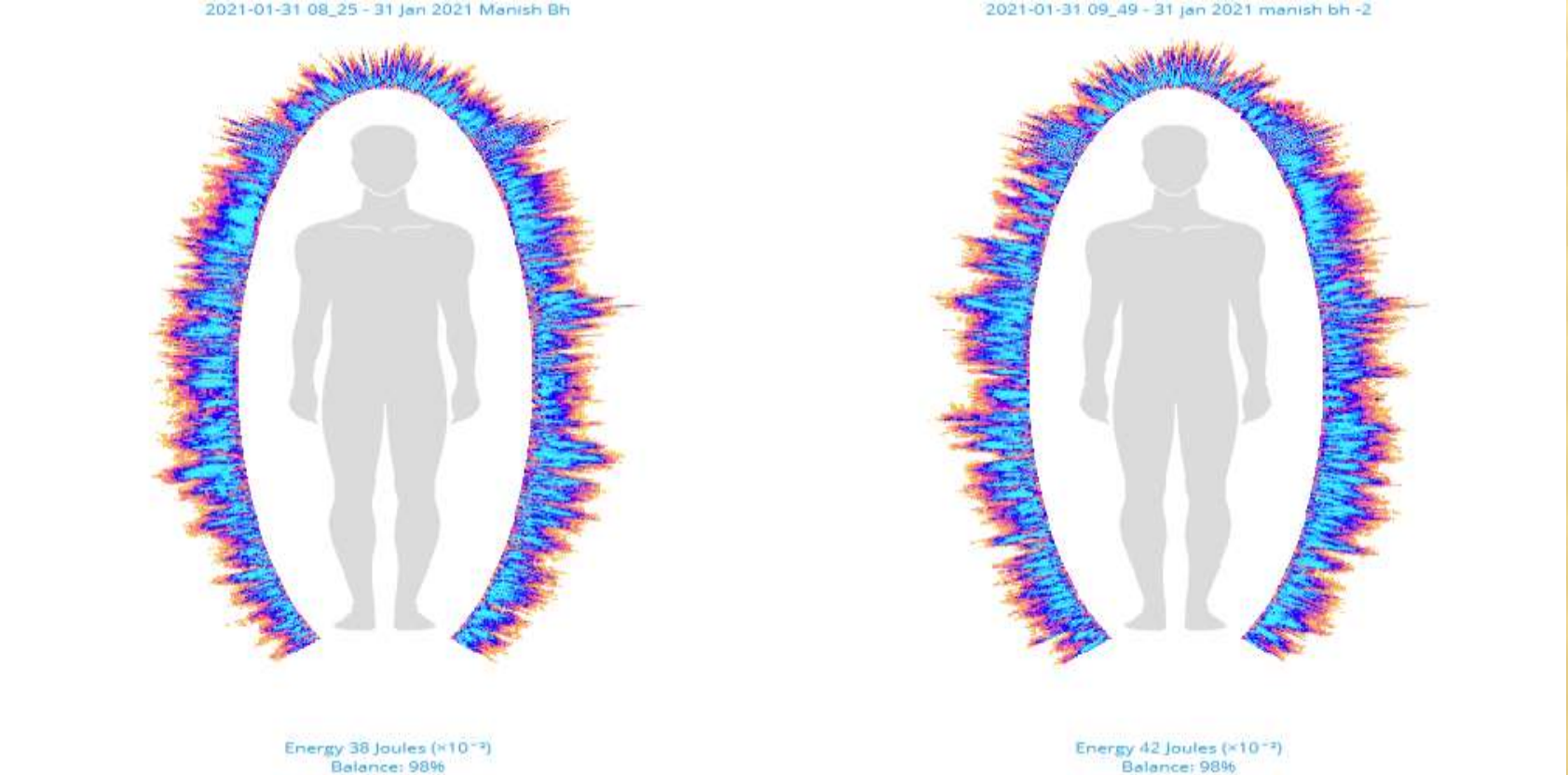
2021-01-31 08_25 - 31 Jan 2021 Manish Bh
Energy 38 Joules (×10⁻³)
Balance: 98%
2021-01-31 09_49 - 31 jan 2021 manish bh -2
Energy 42 Joules (×10⁻³)
Balance: 98%

ऊर्जा और चक्र संरेखण

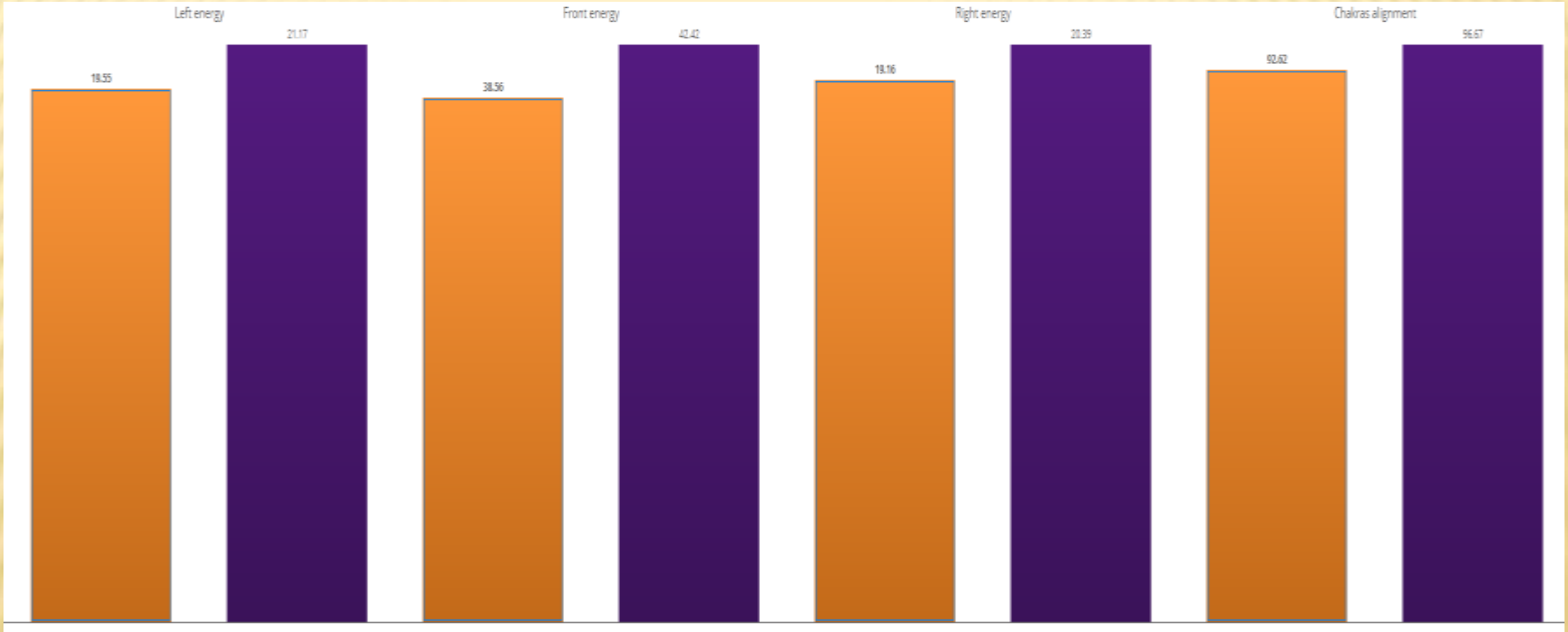

- यज्ञ से पहले
- यज्ञ के बाद

श्री मनीष कुमार : रिपोर्ट

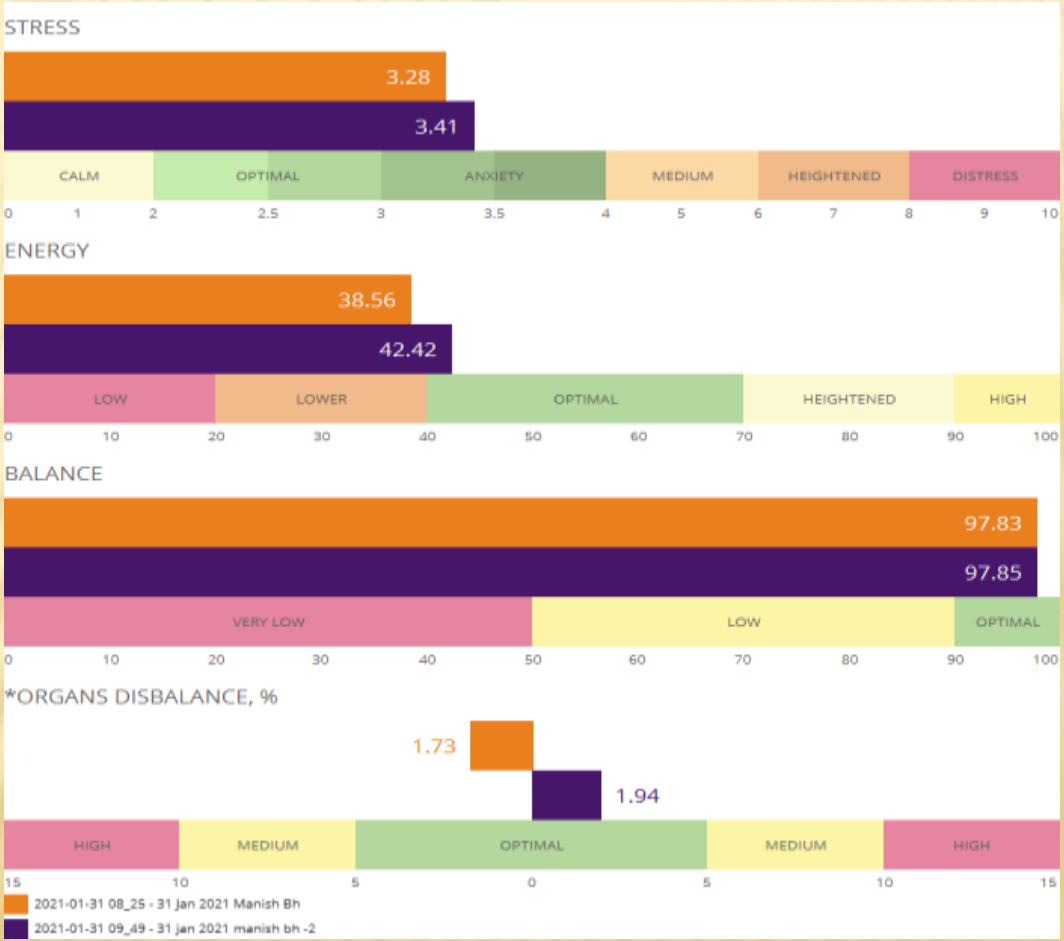

प्रसन्नता का इंडेक्स

- त्वचा सब कुछ बताती है - जब भी हम भावनात्मक रूप से उत्तेजित होते हैं, हमारी त्वचा की विद्युत चालकता सूक्ष्म रूप से बदल जाती है।
- भावनात्मक उत्तेजना के लिए सबसे संवेदनशील उपायों में से एक गैल्वेनिक त्वचा प्रतिक्रिया (जीएसआर) है, जिसे इलेक्ट्रोडर्मल गतिविधि (ईडीए) या त्वचा चालकता (एससी) भी कहा जाता है।
- इसे हम हैप्पीनेस इंडेक्स मीटर से नापते है|

हैप्पीनेस इंडेक्स मीटर

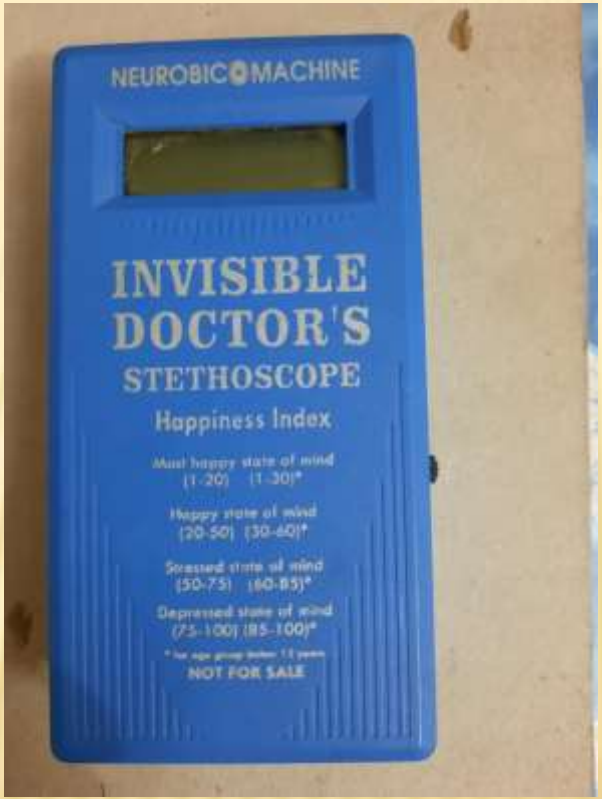

यज्ञ का प्रसन्नता पर प्रभाव- २५.०२.१८ –दाहिना हाथ

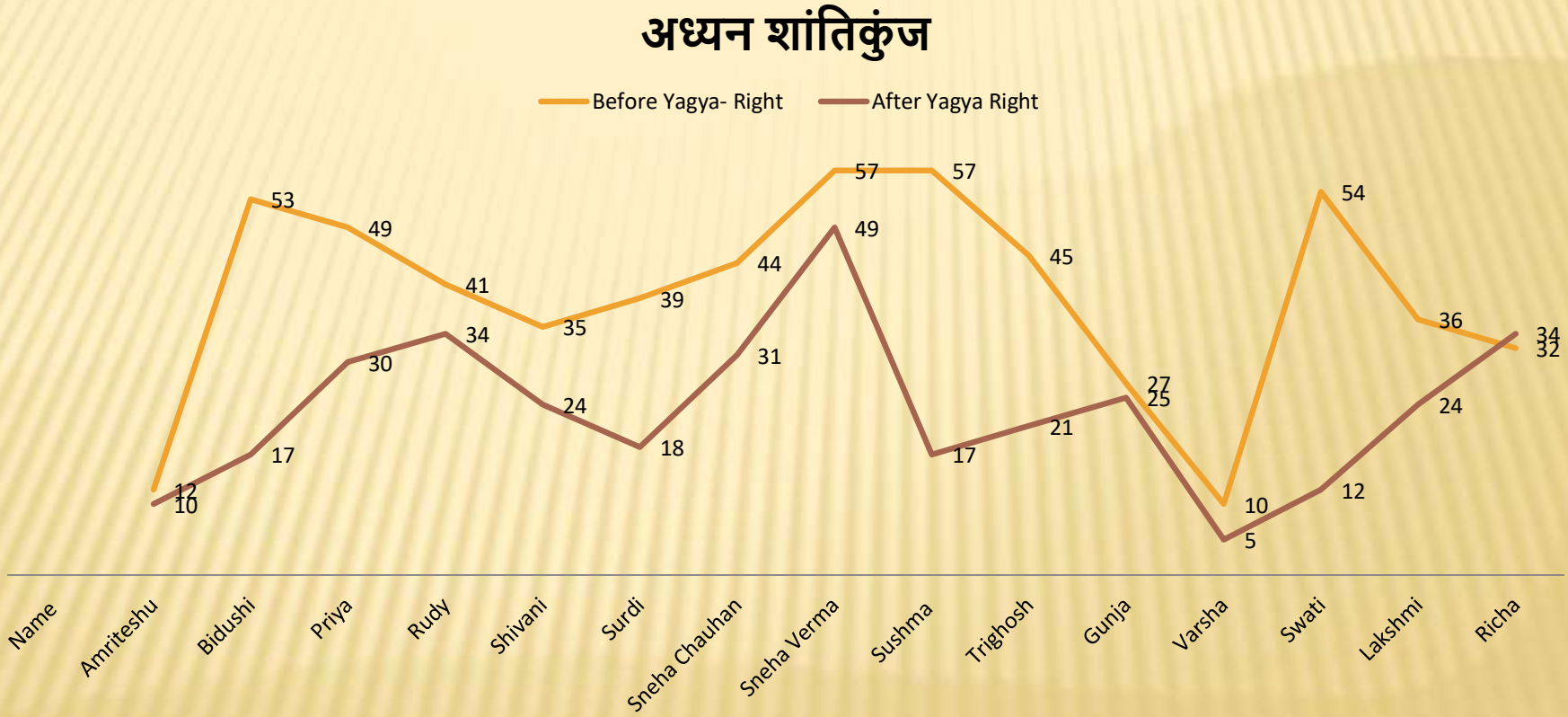

यज्ञ का प्रसन्नता पर प्रभाव- २५.०२.१८ –बाया हाथ

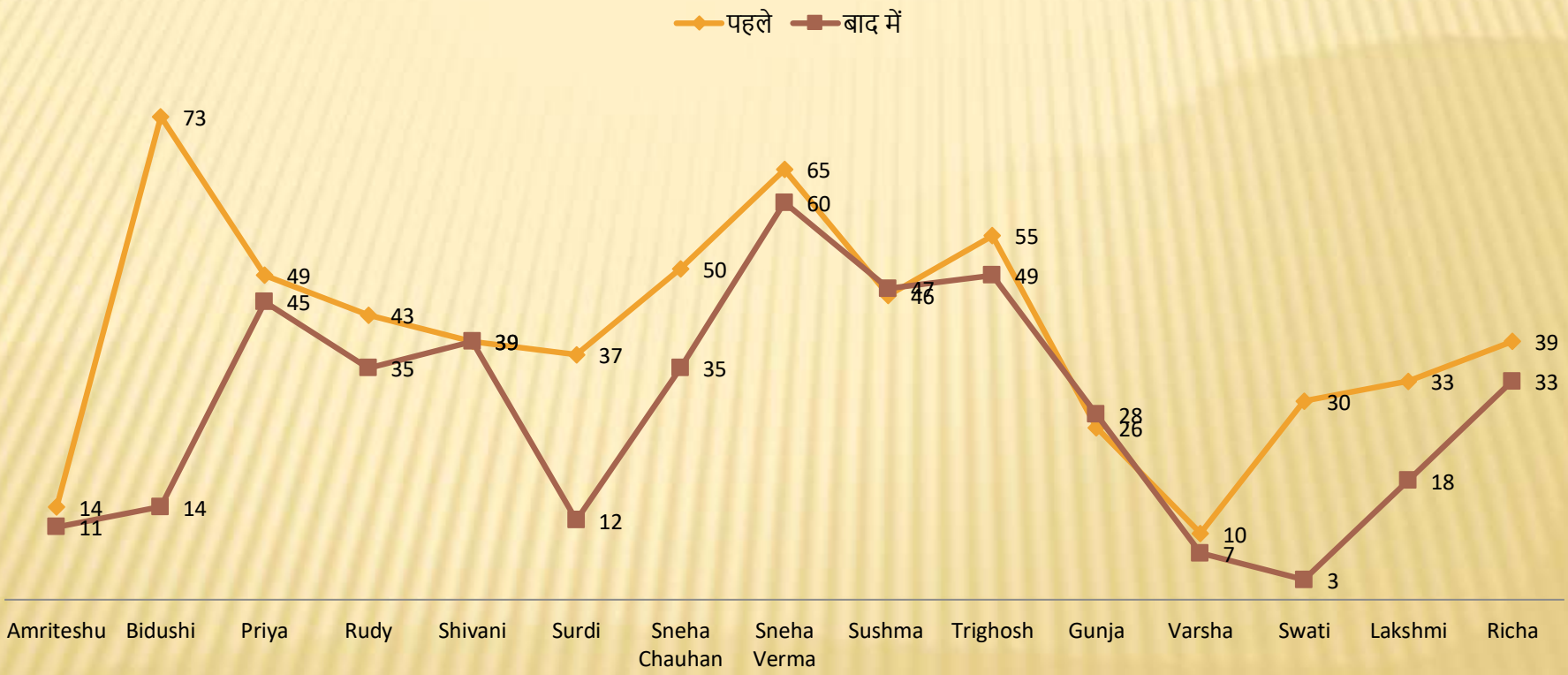

एक केस स्टडी

- श्री राज कुमार सैन जी, निवासी विकास पुरी, पर यज्ञ करने के पश्चात शारीरिक उर्जा तथा अन्य पैरामीटर्स पर किये गए अध्ययन के नतीजे निम्नलिखित है:
- सम्पूर्ण शरीरिक ऊर्जा लगभग १३% एक बार के यज्ञ में बढ़ गयी.
- सम्पूर्ण शरीर का बैलेंस ९२% था
- बाये हेमिस्फेर की ऊर्जा में ५३% तथा दाए हेमिस्फेर की ऊर्जा में २०% की बढ़ोत्तरी पायी गयी. अर्थात जिन अंदरूनी अंगो में ऊर्जा कम थी वो बढ़कर अधिक सक्रिय हो गयी.

✓यज्ञोपैथी में वायु प्रदूषण पर आगे की गयी शोध

- घर के भीतर गैसीय प्रदूषण पर यज्ञ का पी. एम. पर प्रभाव देखने के लिए पहले निम्न प्रयोग किए गए

१. प्रयोग : कमरे के अंदर गोमय समिधा द्वारा किये गए यज्ञ का प्रभाव

२. प्रयोग : कमरे के अंदर आम समिधा द्वारा किये गए यज्ञ का प्रभाव इनमे पी. एम्. २.५, पी. एम्. १०. सीओ. एवं सीओ२ पर प्रभाव आएयरवेदा की डिवाईस द्वारा देखा गया

3. यज्ञ के दौरान उत्सर्जित CO2 व कलश का प्रभाव

PM AND CO2 EMISSIONS- MANGOWOOD SAMIDHAS

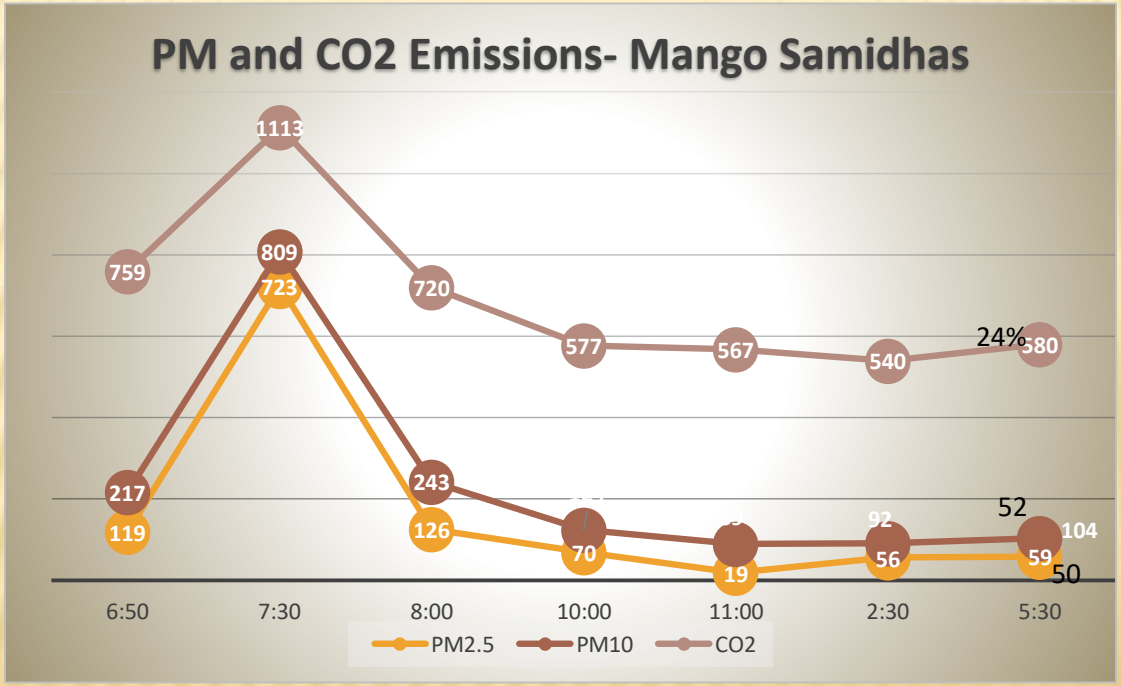

PM AND CO2 EMISSIONS- GOMAY SAMIDHAS

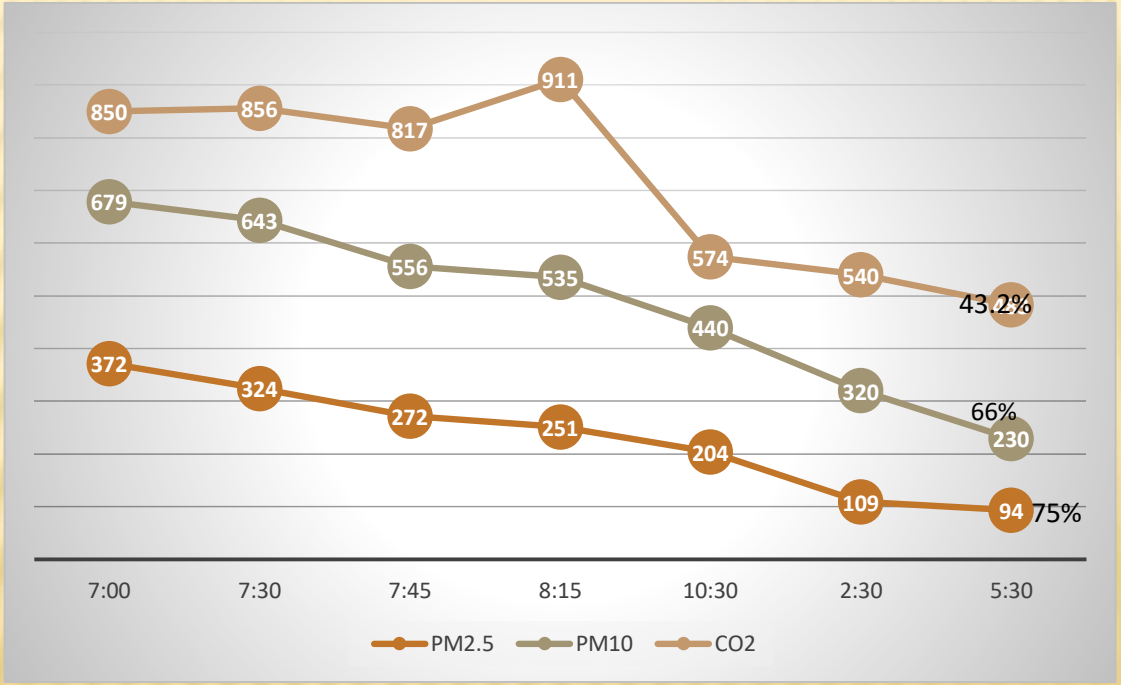

Comparative Emissions Reduction Capacity – Mango Wood vs Gomay Samidha

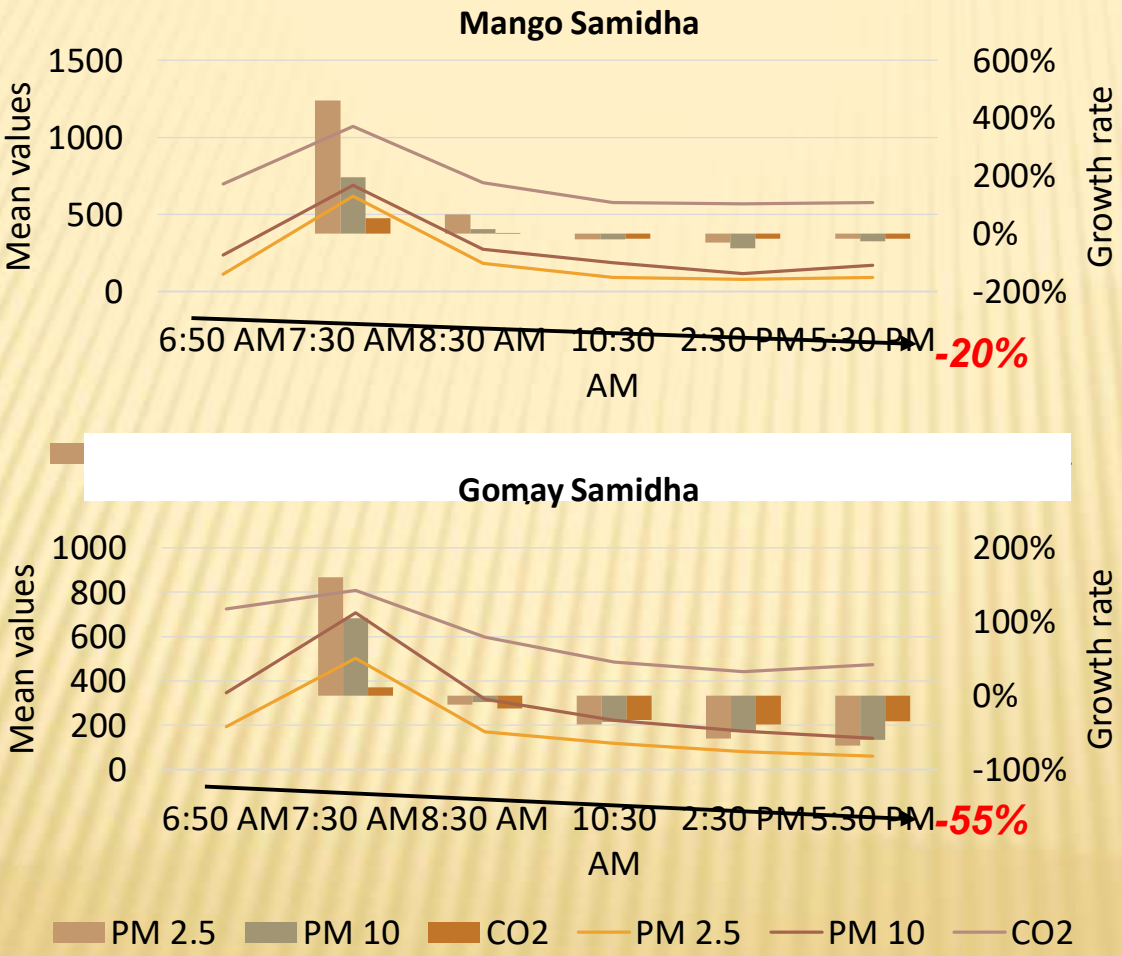

Yagya

निष्कर्ष

- सभी प्रयोगों में जो निष्कर्ष सामनेआये वे निम्न प्रकार है :-

१. आम की समिधा की अपेक्षा गोमय समिधा द्वारा गैसीय प्रदुषण विशेषकर पी. एम्. २.५, पी. एम्. १० पर नियंत्रण अधिक था

२. गोमय समिधा ३० ग्राम द्वारा सम्पूर्ण यज्ञ किया जा सका किन्तु आम समिधा १३० – १५० ग्राम तक प्रयोग मेंआयी

३. देशी घी २० – ३० ग्राम प्रयोग में लाया गया और लगभग ३० – ४० ग्राम हवन सामग्री प्रयोग की गयी

४. यज्ञ शाला में किये जाने पर कार्बोनडाइऑक्साइड एवं अन्य प्रदुषण कारी गैसों का उत्सर्जन/प्रभाव यज्ञकर्ता के बैठने के स्तर तक बहुत ही न्यून मात्रा में था

५. जल से भरे कलश को यज्ञ शाला में २ फ़ीट की ऊंचाई पर रखने पर पाया गया की कार्बनडाइऑक्सइड का स्तर निरंतर कम होता चला गया

आयन पर प्रभाव

- शांतिकुंज द्वारा प्रदत्त नए आयन् नापने वाले यंत्र (अल्फा लैब यू एस ए) से प्राप्त होने के उपरांत यज्ञ का नेगेटिव आयन पर प्रभाव को मापी गया

यह प्रयोग हमने ५-६ विभिन् क्षेत्रो में किये और शोध में पाया की यज्ञ द्वारा नेगेटिव आयन की अभिवृद्धि होती है||

				-ve ION Counts per CM^3	
Sr	Address	Yagya Size	Date	Before Yagya	During Yagya
1	श्री JP शर्मा जी, १८१, सूर्य नगर, तारों की कूट, नियर राधा गोविन्द मंदिर, जयपुर	1 Kunidya	6-Oct-19	1290	16600
2	गायत्री चेतना केंद्र, दुर्गापूरा, जयपुर ३०२०१०	5 Kundiya Yagya	8-Oct-19	190	10780
3	क१०८ कुण्डीय यज्ञ, कालवाड़ रोड, वाटिका, जयपुर	108 Kundiya	13-Oct-19	430	4370
4	श्री SK अग्रवाल जी, १११, श्रीजी नगर, दुर्गापुरा, जयपुर	1 Kunidya	26-Oct-19	80	6870
5	श्री जी एल शर्मा, Z9A, गली नो.२ वेटेस्टा एन्क्लेव, पपरावट रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली ११००४३	1 Kunidya	27-Oct-19	260	5730
6	११२, श्रीजी नगर, दुर्गापूरा, जयपुर ३०२०१८	1 Kunidya	20-Nov-19	2520	7140

- यज्ञ में अग्नि प्रज्वनल के साथ ही नेगेटिव आयन का बढ़ना प्रारम्भ हो जाता है, फिर ये क्रम पूर्णाहुति, वर्सोधारा और विसर्जन तक बना रहता है.

आयन पर प्रभाव (GRAPH)

श्री SK अग्रवाल जी, १११, श्रीजी नगर, दुर्गापुरा, जयपुर	1 Kunidya	26-Oct-19	80	6870

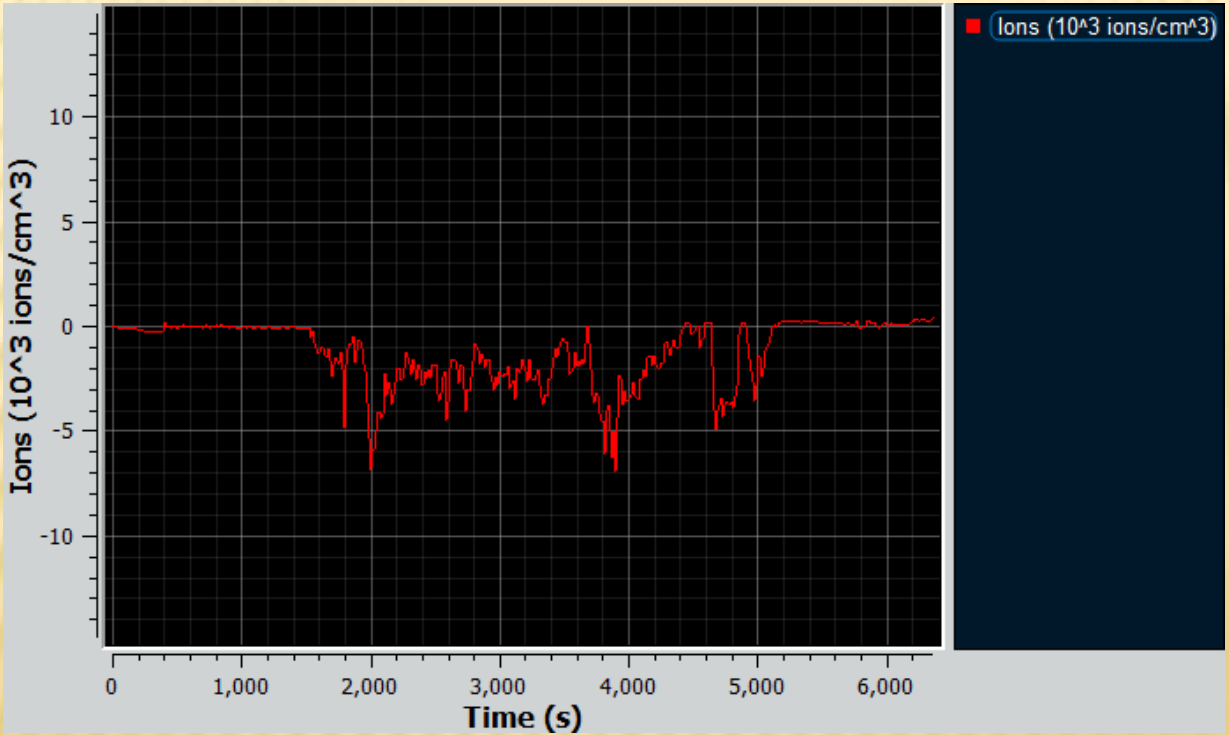

गृहे- गृहे यज्ञ – बड़े स्तर पर वाह्य प्रयोग

- २४.०६.२०१८ तथा ०२.०६.२०१९ को दिल्ली मे लगभग ५ – ६ हज़ार घरों मे एक साथ यज्ञ किया गया जिसका प्रभाव वातावरण मे व्याप्त विभिन्न प्रदूषण कारक घटकों पर देखा गया.
- दिल्ली मे २३ स्थानों पर लगे live-monitoring stations के दैनिक 24 घंटे के औसत आंकणे इकट्ठा किए गए . उनको analyse करने पर जो नतीजे आए, वो मई आपके साथ बाटती हूँ.

PM 2.5 WAS REDUCED OR REMAINED SAME ON **24TH JUNE, 2018** IN ALMOST 16 STATIONS OUT OF 22 IN DELHI ON THE DAY OF YAGYA

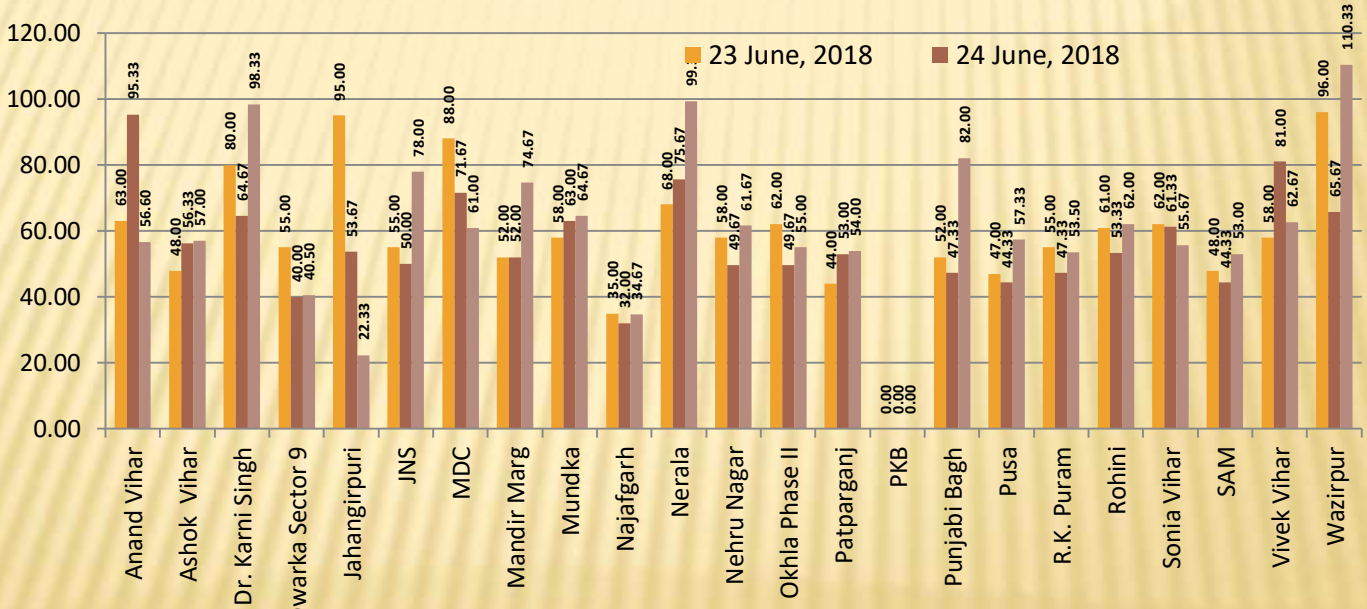

PM 10 WAS REDUCED OR REMAINED SAME ON **24TH JUNE, 2018** IN ALMOST 21 STATIONS OUT OF 23 IN DELHI ON THE DAY OF YAGYA

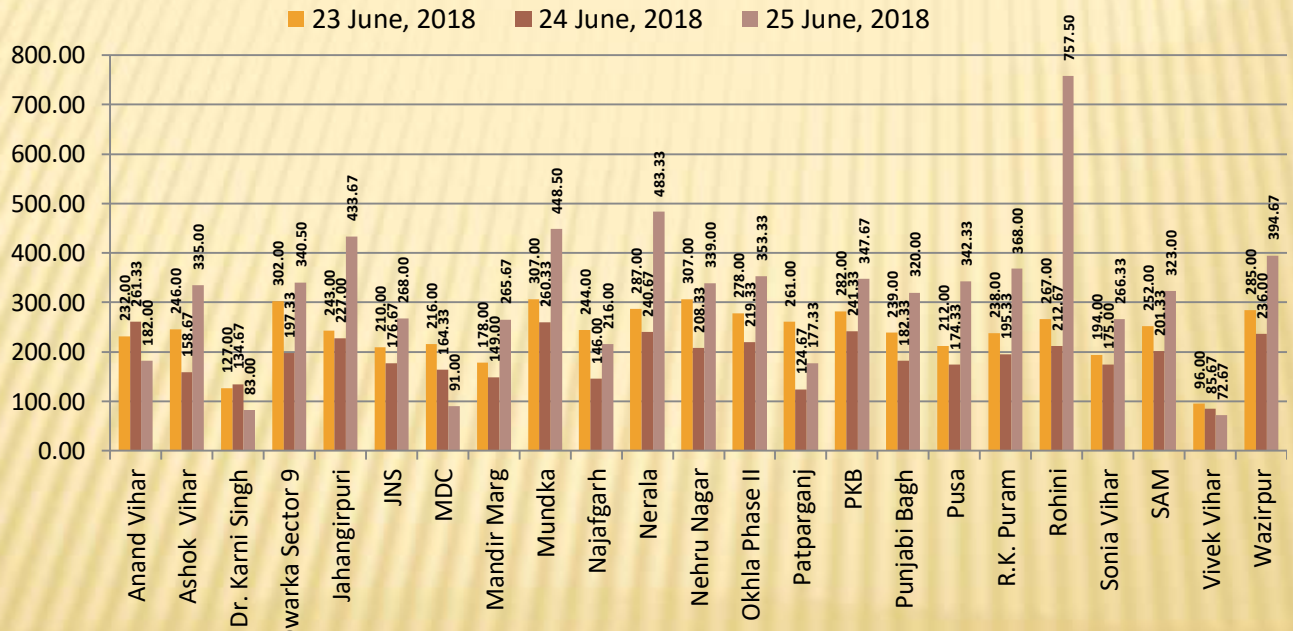

BENZENE REDUCED ON **24TH JUNE, 2018** IN ALMOST 18/20 CENTRES ON THE DAY OF YAGYA

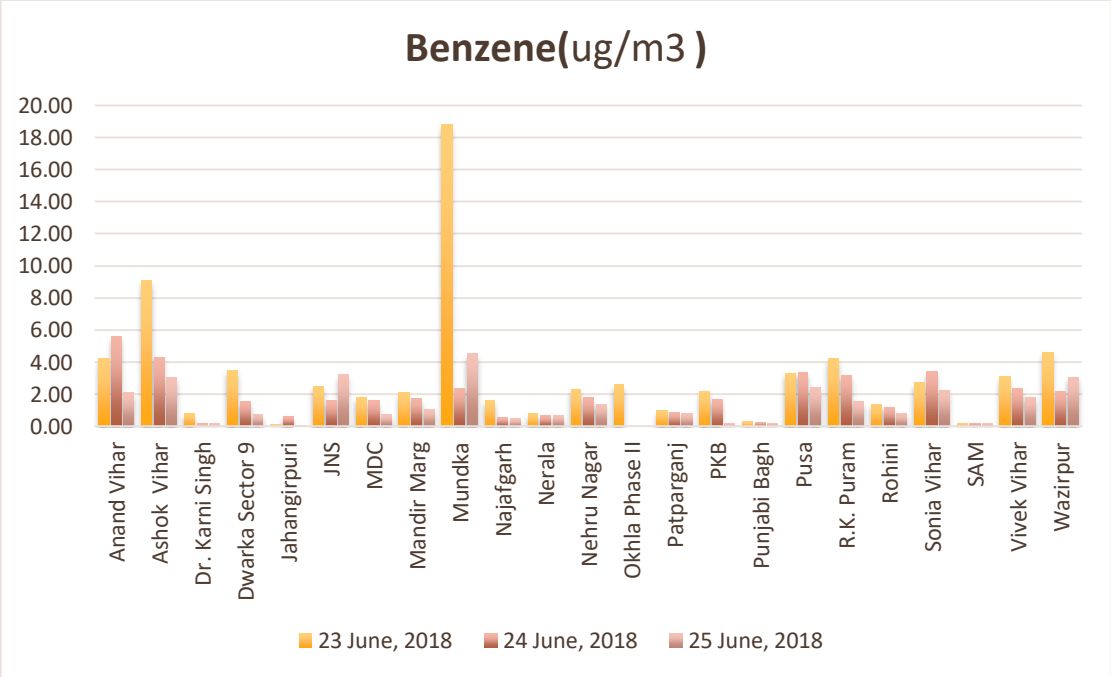

CO REDUCED ON 24TH JUNE, 2018 ON 20 CENTRES OUT OF TOTAL 22 CENTRES IN DELHI, ON THE DAY OF YAGYA.

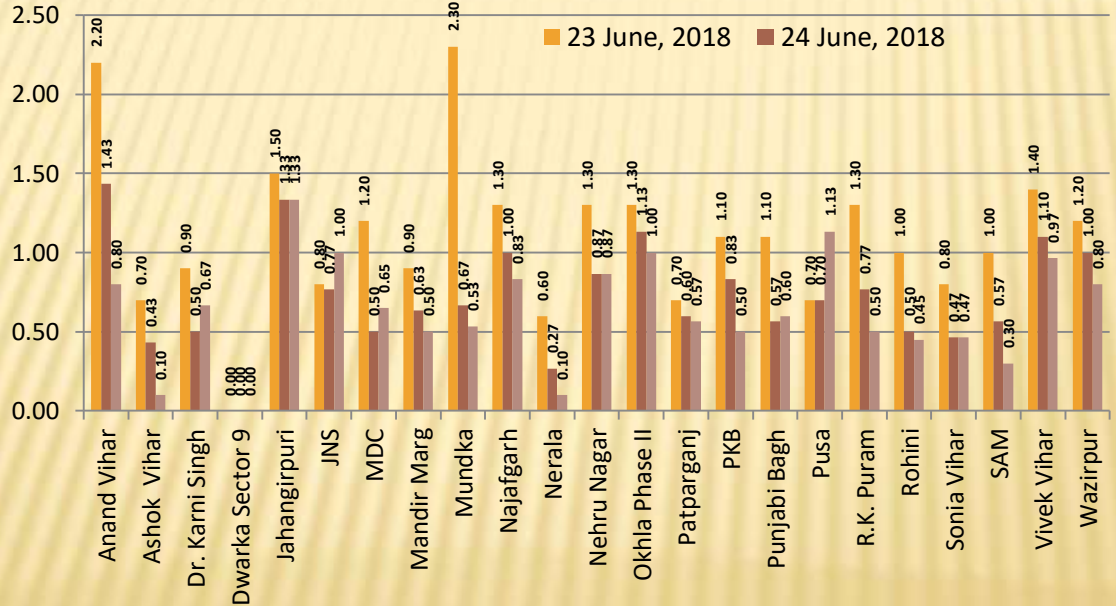

PM10 REDUCED IN 16/16 CENTRES **ON 2ND JUNE, 2019** WHICH RECORDED DATA

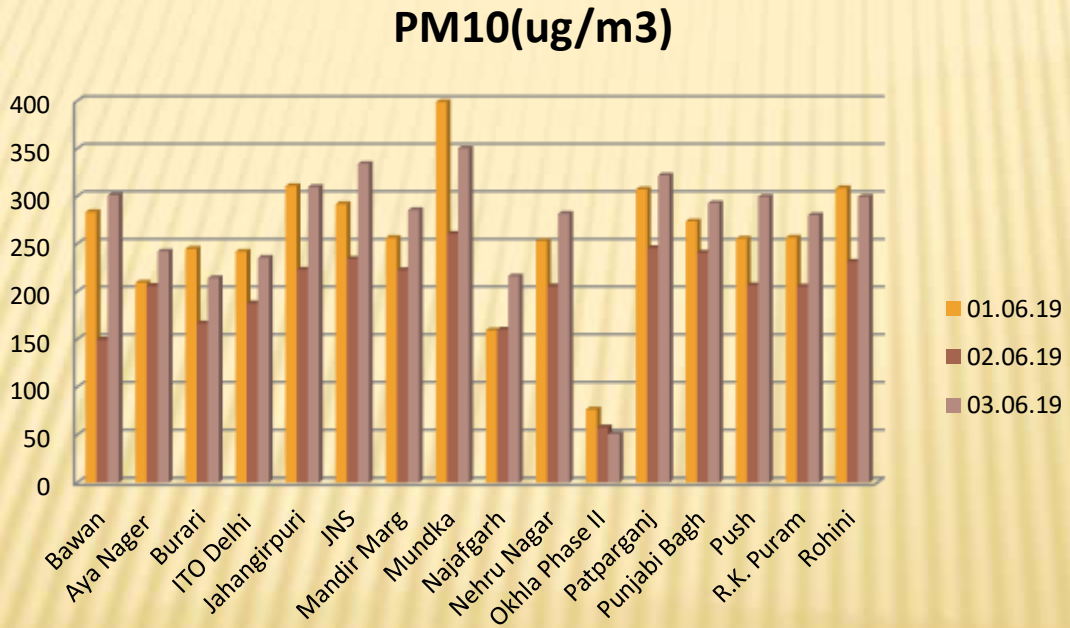

PM 2.5 REDUCED AT 16/19 CENTRES **ON 2ND JUNE, 2019** WHERE IT WAS RECORDED

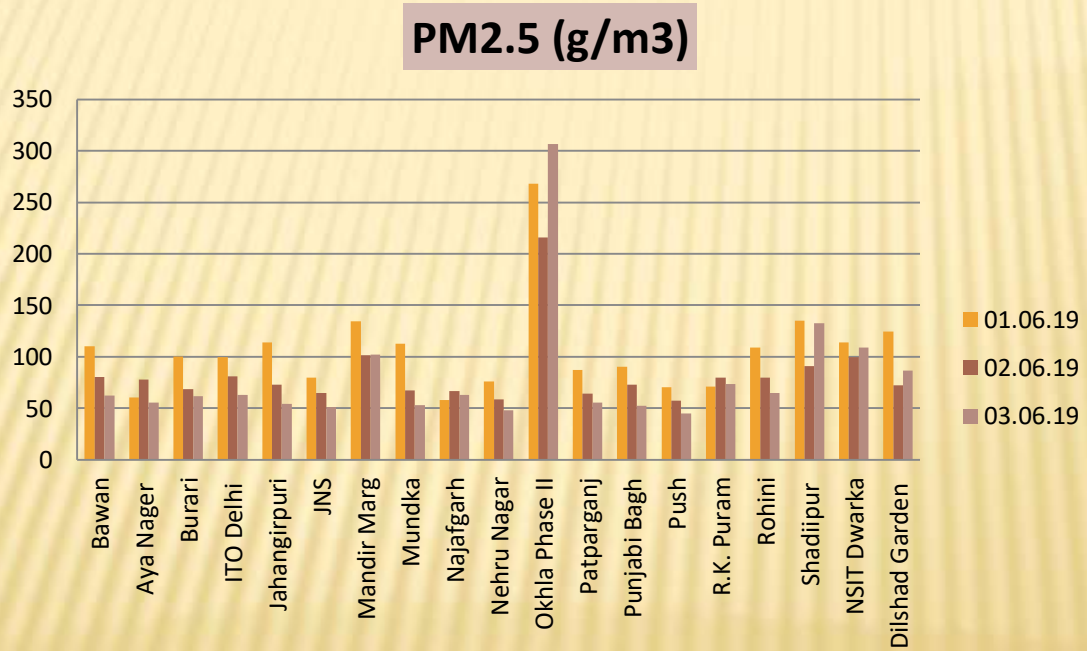

CO REDUCED AT 18/19 CENTRES **ON 2ND JUNE, 2019** IN DELHI

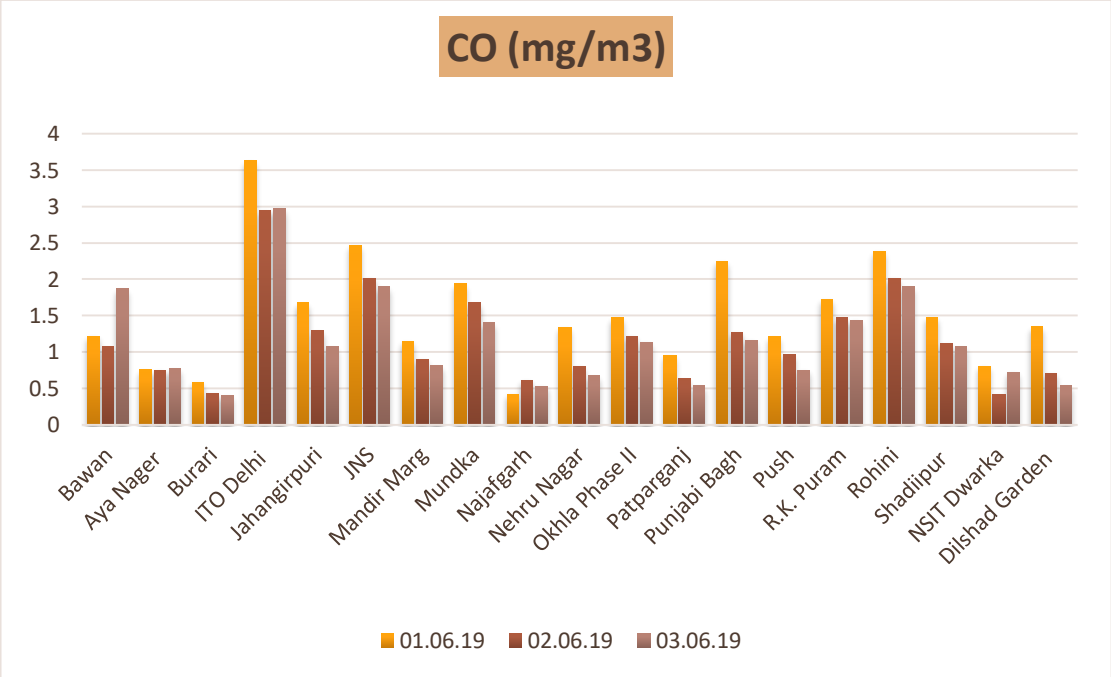

NO2 REDUCED AT 19/19 CENTRES ON THE DAY OF YAGYA ON 2ND JUNE, 2019 IN DELHI

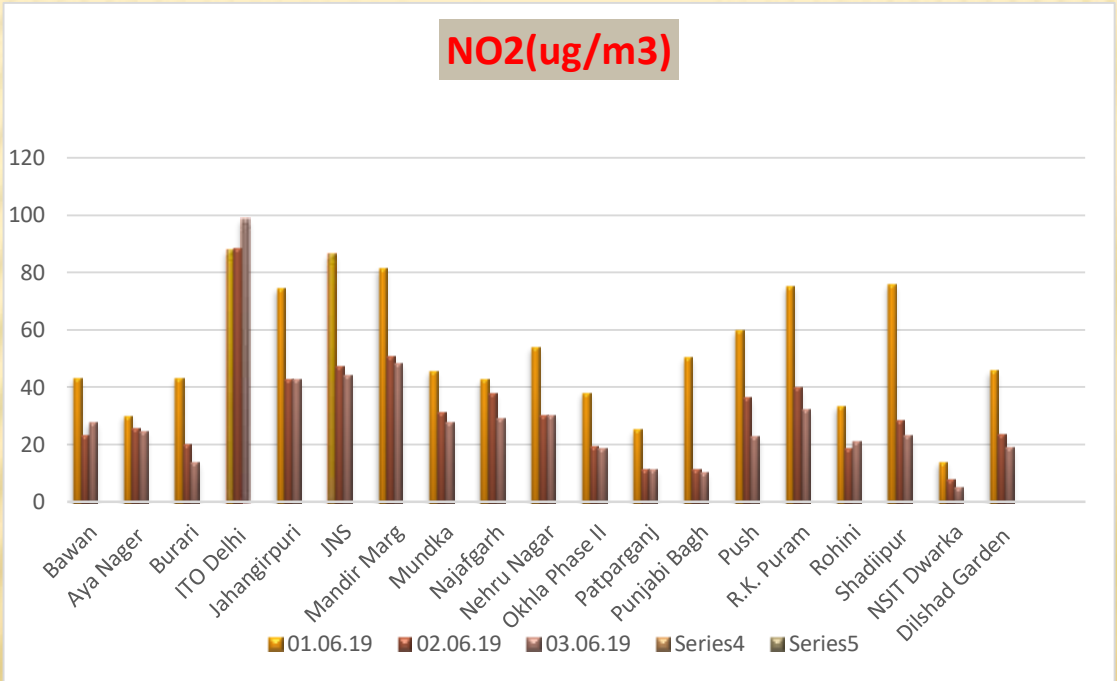

रेडिअशन का प्रदूषण

- इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक रेडिअशन आज के आधुनिक जीवनशैली की देन हैं ये मोबईल, लप्टोप, टी.वी, कम्प्युटर, माईक्रोवेव इत्यादि सभी के द्वारा उत्सर्जित रेडिअशन होते हैं.
- लम्बे समय तक इनके एक्स्पोशर से सिर और गर्दन मे ट्यूमर की सम्भावनायें बढ जातीहैं.
- इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) द्वारा एक अध्ययन किया गया था, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि वयस्कों में मोबाइल फोनों और सिर और गर्दन के कैंसर के उपयोग के बीच कोई संबंध है या नहीं ।
  - 13 भाग लेने वाले देशों से एकत्र आंकड़ों को एकत्रित और विश्लेषित किया गया ।
  - यह पाया गया कि वहाँ 10 से अधिक वर्षों के लिए मोबाइल फोन का उपयोग करने के साथ मस्तिष्क या तंत्रिकाबंधार्बुद का खतरा बढ़ गया था ।

यज्ञ का रेडिएशन पर प्रभाव

- यज्ञ के पहले जहां पर **उच्च रेडिएशन थे यज्ञ में आहुति प्रारम्भ होते ही वो घट कर शून्य हो गए.**-विपिन गार्डेन एक्स्टेंशन
- सामान्यत: रेडिएशन की रेंज ३’ – १२’ तक होती है .
- जिन घरों या स्थानों में **नियमित रूप से हवन / यज्ञ होता** है उन स्थानों में **रेडिएशन ३ - ५ इंच दूरी में समाप्त हो जाते है**

ई. एम्. आर. डिवाइस

इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक रेडिएशन पर हवन का प्रभाव -गौतम नगर

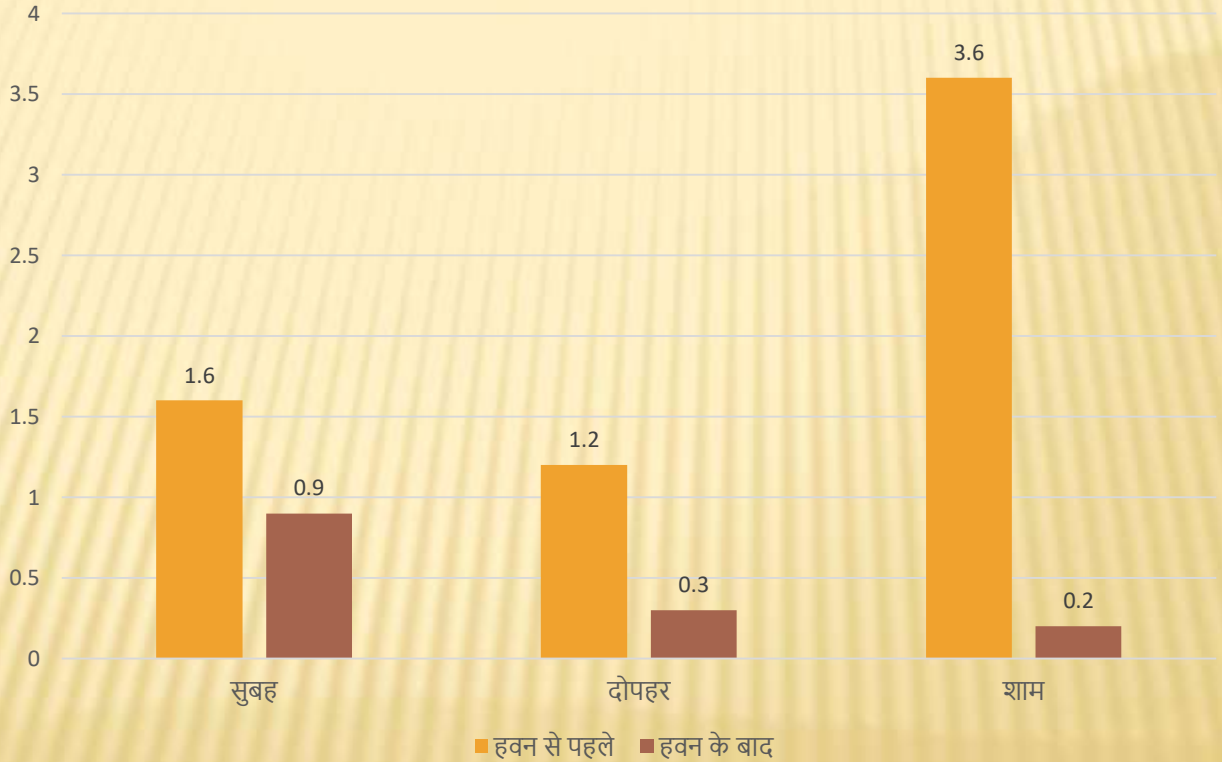

इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक रेडिएशन पर हवन का प्रभाव विकासपुरी,दिल्ली

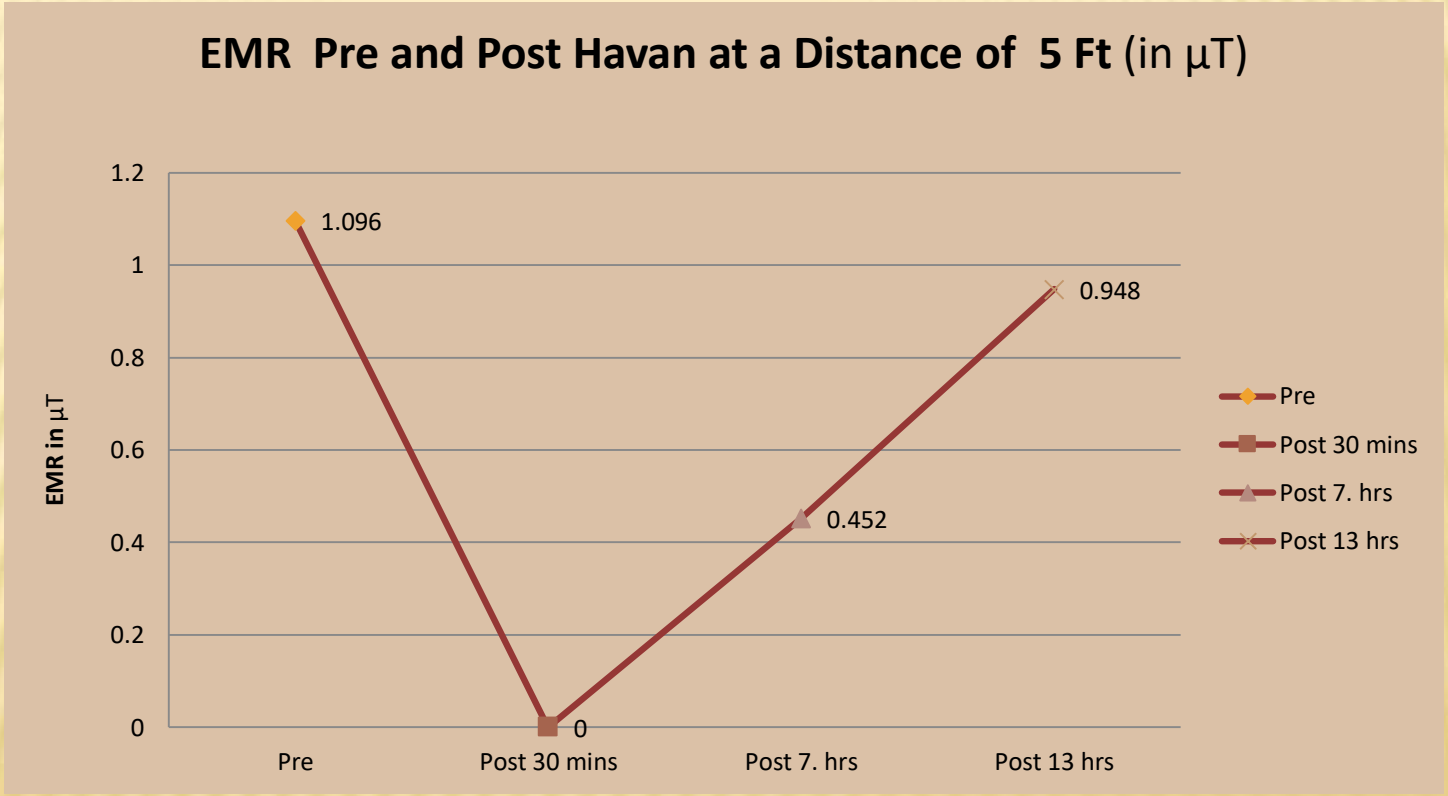

इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक रेडिएशन पर हवन का प्रभाव-विकासपुरी,दिल्ली

	हवन के पूर्व	हवन के बाद
दूरी फिट में	5 "	5 "
चुम्बकीय फ्लक्स μT में	0.33	0
	1.43	0
	0.99	0
	1.2	0
	1.53	0

यज्ञ द्वारा ब्रह्मांडीय ऊर्जा का संचरण

- उर्जा मापन सन्यंत्र द्वारा मापने पर हमे निम्न नतीज़े मिले:
  - मंत्रोच्चराण के दौरान ही ऊर्जा बढने लगती है
  - साधकों द्वारा जोर दार मंत्रोच्चारण से अधिक ऊर्जा बढती है.
  - सामान्य व्यक्ति द्वारा हवन करने से कम ऊर्जा बढती है
  - हवन समाप्त होने के बाद पुन: ऊर्जा तेजी से बढने लगती है.

यज्ञ द्वारा ब्रह्मांडीय ऊर्जा का संचरण - 2

- लगभग 120 मिनट मे यह पूर्ण रूप से बढ जाती है.
- यह पहले की अपेक्षा दोगुनी तुरंत हो जाती है और फिर तेजी से बढ़ने लगती है. दो घंटे पश्चात यह कई हजार गुना अधिक हो जाती है.
- जयपुर में एक 5 कुंडीय यज्ञ के दौरान बाहर जाकर मपने पर ऊर्जा 450मी.की दूरी पर भी बढी हुई पायी गयी.

यज्ञ में होने वाले संभावित रासायनिक क्रियाएं व् उसमे उत्पन्न फाइटोकेमिकल्स- मीनाक्षी रघुवंशी द्वारा स्टडी

- वसायुक्त पदार्थों के दहन से कई हाइड्रोकार्बन उत्सर्जित होते हैं। ग्लिसरॉल से एसीटोन कम्पाउंड, पाइरूविक अल्डिहाइड, ग्लाइकोल, ग्लाइओक्सोल इत्यादि प्राप्त होते हैं, जिनमें से अधिकांश बैक्टीरिया निरोधी होते हैं|
- यज्ञ में प्रयुक्त होने वाली जडी बूटियो में पाए जाने वाले लगभग १०० से अधिक

यज्ञ शोध - मीनाक्षी रघुवंशी

- यज्ञ के धुए में पाए जाने वाले लगभग २० फाइटोकेमिकल्स में क्षय रोग से लड़ने की क्षमता होती हैं |
- यज्ञ के धुए में पाए जाने वाले अनेक तारपीन जैसे बोर्नोल, गेरेनिओल, निरोल, तेर्पेनोल इत्यादि में माइको बैक्टेरिया (क्षय) निरोधक क्षमता होती हैं |

माइकोबैक्टेरियम नियंत्रण नमूने पर इन विट्रो प्रयोग- मीनाक्षी रघुवंशी

- माइकोबैक्टेरियम वाले सैम्पल के कल्चर करने पर ८ सप्ताह में भारी व्रद्धी देखी गयी
- प्रयोग के सैम्पल पर साधारण लकड़ी का धुँआ डाला गया और फिर कल्चर करने पर **८ सप्ताह में १५% की कम व्रद्धी देखी गयी**
- माइकोबैक्टेरियम वाले दूसरे सैम्पल पर यज्ञ का धुँआ डाला गया और फिर कल्चर करने पर **८ सप्ताह में ७५ - ८०% की कम व्रद्धी देखी गयी**

उपलब्धियाँ

- यज्ञोपैथी चिकित्सा को पहली बार चिकित्सा के क्षेत्र मे पहचाना गया
- गायत्री परिवार के 2 परिजनों को भारतीय चिकित्सा सेवा रत्न पुरूस्कार से 21 जुलाई को सम्मानित किया गया

COMPOSITION OF SPECIAL HAVAN SAMIGRI USED FOR AIR PURIFICATION:

- Special herbs which were known for their good effects on the atmosphere were used to make special environmental havan samigri. The proportion of constituents for, one Kg of Havana Samagri was as follows:
  Giloy: 200 gms, Jau: 50gms, Bilva: 50gms, Nagarmotha: 200gms, Apamarg:100gms, Indra-Jau: 50gms, Kutaj: 50gms, Rice: 50gms, Ghee: 100gms, Jaggary: 100gms, Odorous Substances:- Jatamansi: 100gms and Adusa:50gms.

धन्यवाद

Devices Used

1.	Air Veda PM METER (Indoor)
2.	Electromagnetic Meter
3.	ION Meter
4.	Aura Scanner
5.	Happiness Meter
6.	Air Veda PM Meter (Outdoor)
7.	Air ION Counter Model 2#370
8.	EMR HTC 523
9.	CO Meter
10.	Oxygen meter
11.	Bio Well Aura Scanner

धन्यवाद